● वर्ष-3
● अंक-228
रायपुर, शुक्रवार
03 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› फैमिली के साथ चित्रकूट जाने ...

प्रत्याशी का नाम अभी घोषित नहीं, पर तैयार हुआ नामांकन रथ, लगी राहुल की तस्वीर

लखनऊ। राहुल गांधी अभी अमेठी से प्रत्याशी घोषित नहीं हैं लेकिन नामांकन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। गौरीगंज में कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय पर रथ तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ट्रक लखनऊ से आया है, जिसे रथ के तौर पर बनाया जा रहा है। इसके लिए अलग से पोस्टर लगाए जा रहे हैं। इससे इस बात के कयास लग रहे हैं कि राहुल गांधी ही अमेठी से

नामांकन करेंगे।

अमेठी संसदीय सीट से बृहस्पतिवार को छह प्रत्याशियों ने नौ सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया है। अब तक नामांकन पत्र दाखिल करने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। बृहस्पतिवार को बसपा प्रत्याशी नन्हें सिंह चौहान ने एक बार फिर दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया।

इसके अतिरिक्त निर्दलीय जय सिंह, तनवीर अहमद, राजेश बहादुर सिंह ने एक-एक सेट में पर्चा दाखिल किया। राष्ट्रीय मानव सम्मान पार्टी के सुरेश कुमार मौर्य ने एक सेट, राष्ट्रीय नारायण वादी विकास पार्टी के मो. हसन लहरी ने तीन सेट में नामांकन पत्र जमा किया। इसके अलावा निर्दलीय खुशीराम ने दो सेट, मो. इसरार ने एक सेट, राम लखन ने एक सेट में नामांकन पत्र लिया है। अब तक कुल 18 प्रत्याशियों ने 23 सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं, 40 लोगों ने 75 सेट में नामांकन पत्र लिया है। शुक्रवार को नामांकन का अंतिम दिन है। अंतिम दिन नामांकन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के सख्त प्रबंध किए हैं।

हो सकती है घोषणा - पार्टी सूत्रों के अनुसार आज देर रात तक अधिकृत तौर पर उम्मीदवार की घोषणा हो जाएगी। राहुल और प्रियंका दोनों के ही लड़ने की संभावना है।

अलीगढ़ व मुजफ्फरनगर के भाजपा सांसद ने डाला डेरा- अमेठी ससंदीय सीट में भाजपा प्रत्याशी स्मृति जूबिन इरानी के समर्थन में मुजफ्फरनगर सांसद संजीव बलियान व अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम ने डेरा डाल दिया है।

बृहस्पतिवार को दोनों सांसदों ने ऊंचगांव ग्राम पंचायत में नुक्कड़ सभा कर सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय विधायक सुरेश पासी, राजेश चौहान, जसकरण सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दम होता तो वायनाड से नहीं अमेठी से लड़ते चुनाव - स्मृति

केंद्रीय मंत्री व अमेठी की भाजपा प्रत्याशी स्मृति जूबिन इरानी के निशाने पर बृहस्पतिवार को राहुल गांधी रहे। चुनौती देते हुए कहा कि दम था तो कांग्रेस के युवराज वायनाड के बजाय अमेठी से चुनाव लड़कर दिखाते। सिंहपुर ब्लॉक क्षेत्र के शिवरतनगंज रामलीला मैदान में चुनावी जनसभा में उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने रामलला के अस्तित्व पर सवाल उठाया। कांग्रेस के युवराज ने गौरीगंज व मुंशीगंज में जनता की भूमि हड़पी है। चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने भी सभा को संबोधित किया।

कांग्रेस की स्पष्ट हार देख कर अब झूठ की नाव में सवार हो गए भूपेशः साय

रायपुर/शंकरगढ़/मालखरौदा/मुंगेली। कांग्रेस की स्पष्ट हार देख कर भूपेश बघेल अब झूठ की नाव में सवार हो गए हैं। जनता के बीच गलतफहमी फैला रहे हैं। इनके बहकावे में नहीं आना है, करारा जवाब देना है। बलरामपुर के शंकरगढ़ में मुख्यमंत्री ने भूपेश बघेल पर यह आरोप लगाते हुए कहा कि अब वे जनता के बीच मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ झूठ बोलकर भ्रम फैला रहे हैं। मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर संविधान खत्म हो जाने का झूठ, आरक्षण खत्म हो जाने का झूठ, चुनाव के बाद महतारी वंदन योजना का पैसा बंद हो जाने का झूठ, धान की इकतीस सौ रुपए खरीदी न होने का झूठ, पीडीएस का चावल बंद हो जाने का झूठ वे लगातार बोल रहे हैं।

श्री साय ने स्पष्ट किया कि मोदी और भाजपा के रहते आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता। अस्सी से ज्यादा बार संविधान से छेड़छाड़ करने वाली कांग्रेस का यह कयास हास्यास्पद है कि मोदी के फिर प्रधानमंत्री बनने पर संविधान खत्म हो जाएगा।

सीएम साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना की तीसरी किश्त कल जारी कर दी गई है। यह योजना तब तक जारी रहेगी जब तक जनता का आशीर्वाद उनकी सरकार को मिलता रहेगा। जब तक हम सरकार में रहेंगे, यह योजना बंद नहीं होगी। माता-बहनों का पैसा हर महीने के पहले सप्ताह में उनके खाते में पहुँचता रहेगा। धान की खरीदी इकतीस सौ रूपये होती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा भूपेश बघेल केवल 5 किलो चावल देने का आरोप हम पर लगा रहे हैं। जबकि 5 किलो चावल तो मोदी की गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिल ही रहा है और हमारी सरकार भी गरीबों को उनके हक का राशन दे रही है। सीएम ने कहा कि कल भूपेश बघेल अपने झूठ की दूकान लेकर उनके कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में सभा लेने पहुंचे मगर लोग नहीं जुटे। बमुश्किल हजार-बारह सौ लोग ही जुटाए जा सके। पूर्व मुख्यमंत्री की सभा में भीड़ का न आना उनके दौर में उनकी सरकार के कामकाज का आईना दिखाता है। कांग्रेस की संभावित हार देखकर भूपेश बघेल लोगों को भरमाने का काम कर रहे हैं। लेकिन जनता उनके बहकावे में नहीं आएगी, उनके झूठ का उन्हें करारा जवाब देगी। कांग्रेस को घेरते हुए विष्णु देव साय ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने मोदी सरकार के जल जीवन मिशन योजना में भ्रष्टाचार किया। जिससे कि हर घर में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा नहीं पाया। अब हमारी सरकार आ गई है सभी घरों में नल से जल पहुँचाने का काम हो रहा है। लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा होगा। जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन के शुरुआत में क्षेत्र के पूर्व विधायक स्व. अमीन साय को अपनी अपनी श्रद्धांजलि दी।

मोदी जनता की समस्याओं की जगह चीन व पाक की बात करते हैंः प्रियंका

चिरमिरी - कोरबा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने कोरबा के चिरमिरी क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा।कांग्रेस उम्मीदवार ज्योत्सना महंत के समर्थन में आयोजित जनसभा को वे संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की समस्याओं की बजाय पाकिस्तान और चीन की बातें करते हैं। छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सम्मान को बढ़ाने के लिए कांग्रेस की ओर से की गई कोशिश को भाजपा ने पसंद नहीं किया। वर्तमान दौर में किस तरह की राजनीति हो रही है और किस तरह के नेताओं को बढ़ाया जा रहा है, यह हमारे सामने है। उन्होंने आगे कहा कि चिरमिरी सहित अन्य क्षेत्रों में खुशहाली आए इसीलिए कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण किया था। जिसकी वजह से हजारों लोगों को रोजगार मिला। वर्तमान में मजदूर विरोधी, किसान विरोधी राजनीति चल रही है। भाजपा नेता जाति की राजनीति करते हैं और बताते है कि देश में खुशहाली और अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। दुनिया के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भारत आने की बात करते हैं। जनता की सबसे बड़ी समस्याओं की बात मंचों पर नहीं हो रही है। इन मंचों पर जो बात होती है, वह बड़े-बड़े इवेंट की होती है, कोई जी-20 बोलता है, कोई पाकिस्तान की बात करता है, कोई चीन की बात करता है। आप जिन संघर्षों से गुजर रहे हैं, उनकी बात नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में दो तरह के नेता हैं। एक जो सबसे भ्रष्ट नेता हैं। उन सबको इकट्ठा करके अपनी पार्टी में ले लिया। जो दूसरी पार्टियो में भ्रष्ट थे, पहले उनके खिलाफ आरोप लगे और उन पर छापे मारे गए। उन पर दबाव डाला गया और अपनी पार्टी में ले लिया गया। जब उनकी पार्टी में आ गए तो वह पाक साफ हो गए। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई और केस नहीं हुआ। सब चुपचाप से बंद किया गया। दूसरी तरफ वे नेता हैं, जो सिर्फ हवा-हवाई बातें करते हैं । जो आपकी बात नहीं करते। वो महंगाई की बात नहीं करेंगे, जो आपकी समस्याएं हैं। प्रियंका ने अपने संबोधन में कांग्रेस के संकल्प पत्र की बातें गिनाई और कहा कि आज कई खदानें बंद हो गई हैं अथवा उनका निजीकरण कर दिया गया है। सभा को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व कोरबा प्रत्याशी ज्योत्सना महंत ने भी संबोधित किया।

बिहार में नहीं होगी लालटेन युग की वापसी-राजनाथ

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पार्टी धर्म आधारित आरक्षण के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रही है, क्योंकि संविधान में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने बिहार के सारण और सुपौल निर्वाचन क्षेत्रों में दो सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया। सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह

ने कहा, मैं धर्म आधारित आरक्षण का वादा करने वाली पार्टियों से पूछना चाहता हूं कि आप लोगों को बेवकूफ क्यों बना रहे हैं? मैं कांग्रेस और राजद पार्टी से कहना चाहता हूं कि अगर आपमें हिम्मत है तो जनता की आंखों में धूल झोंककर राजनीति न करें, जनता की आंखों में देखकर राजनीति करें।

राष्ट्रीय जनता दल पर हमला करते हुए उन्होंने लोगों, खासकर युवा मतदाताओं से यह वादा करने को कहा कि वे बिहार में लालटेन युग की वापसी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, जिन लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, वे जनता के पास जा रहे हैं और वोट मांग रहे हैं। कभी वे चारवाहा युग लाते हैं, कभी लालटेन युग लाते हैं। केवल बिहार के लोग ही एनडीए उम्मीदवारों को वोट देकर बदलाव ला सकते हैं।

प्रमुख समाचार

छग में शिक्षक भर्ती को लेकर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने आरसीआई ट्रेंड टीचर्स एसोसिएशन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए स्कूलों में विशेष शिक्षकों की भर्ती पर स्कूल शिक्षा सचिव से 6 सप्ताह में शपथपत्र पर जवाब तलब किया है। अगली सुनवाई समर वेकेशन के बाद होगी। आरसीआई ट्रेंड टीचर्स एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि छत्तीसगढ़ में स्कूलों में सरकार स्पेशल एजुकेटर नियुक्त नहीं कर रही है। प्रदेश में 60 हजार से ज्यादा विशेष ज़रूरतों वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रदेश में 2021 तक सिर्फ़ 888 विशेष शिक्षक ही हैं। जबकि छत्तीसगढ़ में सरकारी आँकड़ों के हिसाब से आज लगभग हजारों विशेष शिक्षकों की ज़रूरत है। चीफ जस्टिस की डीबी में हुई सुनवाई में अधिवक्ता तिवारी ने बताया कि,यही मामला सुप्रीम कोर्ट भी गया था। इसमें जस्टिस रजनीश पाण्डेय ने सभी राज्य सरकारों को विशेष शिक्षक अपने स्कूलों में नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। सुको ने राज्यों से इसकी कम्पलाएंस रिपोर्ट भी मंगाई थी। इस निर्णय के 2 साल बाद भी छत्तीसगढ़ शासन ने कोई भी कदम नहीं उठाया। इस वजह से यह बच्चे उन स्कूलों में नहीं पढ़ पा रहे हैं जिसका उल्लेख राइट टू एजुकेशन एक्ट में किया गया है।

महुआ की सीट ममता के लिए बनी साख की लड़ाई?

कोलकाता। सिर को ढकती एक चमकदार मोनो-रंग की साड़ी का पल्लू, आंखों पर धूप का चश्मा, गले में माला और होठों पर चमकती मुस्कान के साथ महुआ मोइत्रा कृष्णानगर की सड़कों पर नजर आ रही हैं। हाथ हिलाकर और लोगों का अभिवादन करते हुए, कभी-कभी अपनी ओर बढ़ाया हुआ हाथ पकड़कर तृणमूल कांग्रेस नेता उस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ अपने बंधन को नवीनीकृत कर रही हैं, जिन्होंने उन्हें 2019 में लोकसभा में भेजा था। नैतिक समिति द्वारा कैश-फॉर-क्वेरी मामले में संलिप्तता के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश के बाद पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से सांसद मोइत्रा को दिसंबर 2023 में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने उन पर भरोसा जताया और मोइत्रा कृष्णानगर में उन्हीं लोगों के बीच वापस आ गई हैं जिन्होंने उन्हें लोकसभा में भेजा था। 31 मार्च को कृष्णानगर में एक चुनावी रैली में मोइत्रा के साथ मंच साझा करते हुए ममता बनर्जी ने कहा था कि बीजेपी के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठाने के कारण महुआ को लोकसभा से बाहर का रास्ता दिखाया गया।

कैसरगंज से बेटे को टिकट मिलने पर गदगद हुए बृजभूषण

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कैसरगंज के मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, जिन पर महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है, को हटा दिया और उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दिया। पार्टी के फैसले में बृजभूषण शरण सिंह का कहीं ना कहीं दबदबा दिखा है। बेटे को टिकट मिलने पर बृजभूषण शरण सिंह गदगद हैं। बृज भूषण के छोटे बेटे करण भूषण उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। वह गोंडा जिले के नवाबगंज में सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी हैं। कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। करण भूषण सिंह ने कहा कि मैं यहां बजरंगबली का आशीर्वाद लेने आया हूं। वह मेरे गुरु हैं। बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं इसके लिए पार्टी को धन्यवाद देता हूं। कल नामांकन दाखिल किया जाएगा। इस बार ब्रज भूषण की सीट पर काफी सस्पेंस था क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख, जो छह बार के सांसद भी हैं, पर देश के कुछ प्रतिष्ठित पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

मुसलमानों के लिए बरकरार रखेंगे 4% आरक्षण : टीडीपी

हैदराबाद। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अगर राज्य में सत्ता में चुने गए तो पार्टी आंध्र प्रदेश में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देगी। नायडू ने कहा कि टीडीपी ने राज्य में मुस्लिम आरक्षण के लिए सक्रिय रूप से काम किया है और अपने वादों को पूरा करना पार्टी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि हम मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण को बरकरार रखेंगे और राज्य में मस्जिद के रखरखाव के लिए हर महीने 5,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम ने नूर बाशा कॉर्पोरेशन की स्थापना करने और इसके लिए प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपये आवंटित करने का भी वादा किया है। उन्होंने कहा कि अगर टीडीपी आंध्र प्रदेश में सत्ता में आती है, तो 50 वर्ष से अधिक आयु के अल्पसंख्यक समुदायों के व्यक्तियों को पेंशन प्रदान करेगी। चंद्रबाबू नायडू ने यह भी वादा किया कि टीडीपी अल्पसंख्यकों के लिए प्रमुख शहरों में ईदगाह और कब्रिस्तान के लिए स्थान आवंटित करेगी। पूर्व सीएम ने हज यात्रा पर जाने वाले मुसलमानों को 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और अल्पसंख्यक वित्त निगम के माध्यम से ब्याज मुक्त ऋण में 5 लाख रुपये की पेशकश करने की योजना की भी घोषणा की है।

राज्यपाल पर महिला कर्मी ने लगाया छेड़खानी का आरोप

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोलकाता राजभवन में रात्रि विश्राम से कुछ घंटे पहले गुरुवार शाम को बड़ी खबर आई। दरअसल, वहां की एक अस्थायी महिला कर्मी ने राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस पर छेड़खानी का सनसनीखेज आरोप लगाया है। महिला ने थाने में शिकायत की है। सूत्रों के मुताबिक, महिला ने गुरुवार शाम करीब सात बजे हेयर स्ट्रीट थाने जाकर लिखित में शिकायत करते हुए दावा किया कि राज्यपाल ने उसके साथ दो बार छेड़खानी की। पहली घटना गत 24 अप्रैल को हुई। उसके बाद गुरुवार शाम फिर उसके साथ छेड़खानी की गई। इस पर राजभवन की ओर से कहा गया है कि सत्य की जीत होगी। जानकारी के मुताबिक, महिला का आरोप है कि राज्यपाल ने उसे बायोडाटा के साथ राजभवन स्थित अपने चेंबर में आने को कहा, जहां उसके साथ छेड़खानी की गई। महिला ने आगे बताया कि उसने पहले राजभवन में स्थित आउटपोस्ट में तैनात पुलिसकर्मियों से इसकी शिकायत की। वहां से उसे थाने में जाने को कहा गया। पुलिस की ओर से महिला का परिचय गोपनीय रखा गया है। पता चला है कि महिला 2019 से राजभवन में अस्थायी रूप से कार्यरत है।

बदलती दुनिया में कहां खड़ा है भारत

एस. जयशंकर

आज दुनिया में काफी उथल-पुथल मची है। कई देश कोविड महामारी से हुए सामाजिक-आर्थिक नुकसान से उबरने में लगे हैं। बीते तीन वर्षों से यूक्रेन में चल रहे संघर्ष से ऊर्जा, खाद्य और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ा है। अक्टूबर 2023 में इस्राइल पर हुए आतंकी हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुई लड़ाई गंभीर और व्यापक रूप ले सकती है। लाल सागर में ड्रोन और मिसाइल हमले वैश्विक शिपिंग को अस्त-व्यस्त कर रहे हैं। यहां तक कि अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती की नई लहर और खतरनाक हो गई है। एशिया में क्षेत्रीय दावे और कानूनों और समझौतों की अवहेलना ने नए तनाव पैदा कर दिए हैं। आतंकवाद की पुरानी चुनौतियां भले ही बढ़ती-घटती रही हों, लेकिन आज भी बरकरार हैं।

भारत के लिए ज्यादा अनिश्चितताएं चीन के साथ एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर दबाव, सीमा पार से आतंकवाद के खतरे और म्यांमार की सीमा पर अस्थिरता से बढ़ी हैं। हालांकि इनमें से प्रत्येक को उचित प्रतिक्रिया दी गई है। लेकिन कुल मिलाकर ये स्थितियां आने वाले दिनों में एक मजबूत, समझदार और सक्षम नेतृत्व की जरूरत को स्पष्ट करती हैं।

कोविड युग ने अति-केंद्रीकरण के खतरों को प्रदर्शित किया है, चाहे वो मैनुफेक्चरिंग सेक्टर हो या टेक्नॉलाजी। महत्वपूर्ण और उभरती टेक्नॉलजी का दायरा इसे और गंभीर बना देता है। ऐसे में अच्छा यही होगा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था भी जोखिम से मुक्त हो। ऐसा केवल विभिन्न क्षेत्रों में 'मेक इंडिया' को गति देने व लचीली और विश्वसनीय सप्लाई चेन से जुड़कर ही किया जा सकता है।

डिजिटल क्षेत्र में, भारत को एक विश्वसनीय और पारदर्शी देश के रूप में अपने रेकॉर्ड को और आगे ले जाना है। इसका मतलब हमें सेमीकंडक्टर क्षमताओं को बढ़ाना और सही डेटा पॉलिसी को अपनाना होगा। खुद को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ड्रोन, अंतरिक्ष और ग्रीन टेक्नॉलजी के युग के लिए भी तैयार करना होगा। साथ ही, देश की स्वास्थ्य, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना होगा। इसके लिए दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है, जो टेक्नॉलजी की परिवर्तनकारी क्षमता को समझता हो और मजबूत विकास के लिए प्रतिबद्ध हो। जाहिर तौर पर सुधार से पहले के युग की विफल नीतियों की ओर वापसी को स्पष्ट रूप से किसी भी कीमत पर टाला जाना चाहिए।

आज भारत अपने उम्दा बुनियादी ढांचे, बेहतर कारोबारी माहौल और अपेक्षित प्रतिभा की बदौलत आकर्षक निवेश गंतव्य है। लेकिन इसकी वजह हमारी राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत पूर्वानुमान है। पिछले दशक में जमीनी स्तर पर सुधार और डिलिवरी ही विदेशों में हमारी विश्वसनीयता के स्रोत रहे हैं। कई मायनों में वैश्वीकरण ने एक अंतरराष्ट्रीय वर्कप्लेस भी बनाया है, जिसका उपयोग भारत अपनी बेहतरी के लिए कर सकता है। इसके लिए हमारे कौशल बेस को बढ़ाना, मोबिलिटी समझौते करना और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा अहम तत्व हैं। स्टार्ट-अप्स में हमारी गहरी रुचि रही है, जो बीते दशक में नीतिगत प्रोत्साहनों की वजह से तेजी से बढ़े हैं।

यह स्वाभाविक है कि दुनिया भारतीय लोकसभा चुनाव में गहरी दिलचस्पी ले। आखिरकार यह मानव इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। यह चुनाव बाकी देशों के लिए एक बढ़ते प्रभाव वाले देश में आयोजित हो रहा है। इसके अलावा, हमारी चुनावी मशीनरी की क्वॉलिटी अन्य देशों के लिए उदाहरण है। महत्वपूर्ण है कि चुनाव में दिलचस्पी और हस्तक्षेप के बीच की रेखा को समझा जाए और उसका सम्मान किया जाए। ऐसे भी लोग होंगे जिनका वैचारिक वजहों से कुछ दलों में निहित स्वार्थ होगा। लेकिन जब अधिक जिम्मेदार लोग चुनिंदा मुद्दों पर टिप्पणी करते हैं, तो वे स्वयं के निहितार्थों को भी ध्यान में रखते हुए ऐसा कर सकते हैं। यह जीवन की सचाई है कि कई अन्य गतिविधियों की तरह ही राजनीति का भी वैश्वीकरण हो गया है। लेकिन, व्यवस्था की आलोचना करने वाले अपने घरेलू चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने के लिए अगर बाहरी ताकतों को आमंत्रित करते हैं तो इससे हमें कोई लाभ नहीं होगा।

यह अमृत काल का पहला आम चुनाव है और युवाओं को इसके महत्व को पहचानना होगा। पिछले दशक ने हमें विकसित भारत के लिए गंभीरता से उम्मीद करने को एक आधार दिया है। हमारे विकास की नई गति को इसकी समावेशी प्रकृति और प्रौद्योगिकी की छलांग लगाने वाली क्षमता से बल मिला है। पहले के विपरीत, सुधार और आधुनिकीकरण को संकीर्ण रूप से परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन इसमें डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

पैरी और महानदी का सीना चीर सिस्टम को ठेंगा दिखा रहे रेत माफिया

■ हौसले इतने बुलंद कि कवरेज करने गए यूट्यूबर की कर दी पिटाई, किसके संरक्षण में चल रहा खेल ?

गरियाबंद। जिले में पैरी और महानदी के 8 अवैध घाट में 14 चेन माउंटेन से चौबीसो घंटे धडल्ले से रेत का अवैध परिवहन हो रहा है। इस इलाके में हथखोज का एक खदान भर माइनिंग से अधिकृत है लेकिन यहा पैरी के सिंधोरी, महानदी के पिताईबंद, चौबेबांधा, परसदा जोशी में 9 से ज्यादा घाट बनाए गए हैं जहां 14 चेन माउंटेन मशीन लगाई गई है। इन मशीनों से रोजाना अवैध रेत खनन चल रहा है। अंदरूनी इलाके के छोटी बस्तियों से निकलकर रेत से भरे हाईवा को ड्राइवर नेशनल हाइवे में दौड़ते हुए रायपुर भिलाई जैसे महानगरों तक बगैर किसी वैध दस्तावेज के ले जा रहे है। इसके एवज में खदान संचालक 4500 से लेकर 7800 रुपए तक वसूल रहे है। रोजाना 400 से 500 ट्रिप हाईवा रेत निकाला जा रहा है। दबाव बना या दुर्घटना हुई तो कार्रवाई दिखाने 7, 8 हाईवा की जब्ती दिखाकर माइनिंग विभाग खाना पूर्ति कर देता हैं। धमतरी जिले से भी ज्यादा रेत परिवहन अब गरियाबंद से होने लगा है।

राजस्व के कुछ अफसर ईमानदारी से कार्रवाई भी करने फील्ड पर उतरते हैं तो उन पर सिंडीकेट द्वारा राजनीति पावर के बूते नकेल कस दिया जाता है। एक वायरल विडियो में रेत घाट के सिंडीकेट के पीछे सत्ताधारी संगठन के

जनप्रतिनिधियों का नाम तक गिनाया जा रहा है। मौजुदा स्थिति और बिना रोक टोक के चल रहे खदान इस रेत के सिंडीकेट को राजनीतिक सरंक्षण की पुष्टि भी करता है।

कवरेज के लिए गए तो होगी पिटाई

सिंडीकेट ने अपनी करतूत ढकने के लिए गुर्गे भी फैला रखे हैं। घाट के आने-जाने वाले रास्तों में कई नकाबपोश दिखेंगे। बीते 1 मई को सिंधोरी घाट में हो रहे अवैध निकासी का विडियो बनाने पहुंचे राजिम के यूट्यूब नागेंद्र निषाद की पिटाई कर दी गई, जिसका विडियो भी वायरल हो रहा है। पीड़ित के शिकायत के बाद राजिम पुलिस ने मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए मारपीट का मामल दर्ज किया है। नागेंद्र ने बताया की आज उसके मोबाइल पर कॉल आया था, कॉलर ने उसे कहा कि वह एसपी ऑफिस से बात कर रहा है और जिसके खिलाफ शिकायत किया गया था वो लोग अब तुम्हारे खिलाफ एट्रोसिटी लगा रहे हैं। हालाकि, कॉलर के बोलने के तरीके से नागेंद्र भी समझ गया है की उसे डराया जा रहा है।

विस में गूंजा था 80 हजार घनमीटर रेत चोरी का मामला

पूरे अवैध खनन में माइनिग और एनजीटी के नियमो की धज्जियां उड़ाई जा रही है, परसदा जोशी के पंचायत ने 30 जनवरी 2021 में महानदी को बचाने रेत खदान आवंटित नहीं करने का प्रस्ताव भी पारित किया था, लेकिन आज पंचायत प्रतिनिधियों के मौन स्वीकृति में परसदा जोशी इलाके में 4 घाटों पर रेट खनन चल रहा है। सबसे ज्यादा मशीने भी इसी पंचायत के घाटों में है।

बताया जाता है की सभी घाट में प्रभावशाली राजनीति की एंट्री है, लिहाजा सबसे सुरक्षित इसी खदान को माना जाता है, जहां कार्रवाई करने के लिए अफसरों को सोचना पड़ता है। जानकारी के मुताबिक रोजाना इस घाट से 225 से 250 ट्रिप तक रेत की निकासी होती है। पिछले वित्तीय वर्ष में महानदी के 9.80 हेक्टयर रकबे में हुए 80 हजार घन मीटर रेत चोरी का मामला विधायक धरम लाल कौशिक ने फरवरी में संपन्न हुए सत्र में उठा चुके हैं। इसी खदान में माइनिग कर्मियों की पिटाई भी हुई।

राजिम, रेत और राजनीति

'राजिम, रेत और राजनीति' यह तुकबंदी भी वर्तमान हालत पर सटीक बैठती है, जिस दल के पास राजनीति पवार है उसी दल के लोगो का सीधा कनेक्शन घाट से होता है, इनके नाते रिश्तेदार के आलावा कई नाम सिंडिकेट में आ रहे है, कांग्रेस के सत्ता काल में जो कांग्रेस का दामन थाम कर रेत की राजनीति में घुसे थे, उनमें से कुछ नामचीनों ने अब भाजपा में शमिल होकर रेत की राजनीति का रिनीवेल करवा लिया है। पैसे बटोरने के चक्कर में नदियों का हाल बद से बदतर हो गया है। रेड जोन में शामिल पैरी नदी के सिंधौरी घाट अब 10 से 12 फिट गहरे खुदे नजर आ रहे हैं। यही हाल माहानदी के घाटों का भी है।

खदान में माइनिग कर्मियों की पिटाई

सिंधोरी घाट में हो रहे अवैध निकासी का विडियो बनाने पहुंचे राजिम के यूट्यूब नागेंद्र निषाद की पिटाई के मामले में जब हमने जब गरियाबंद के जिला खनिज अधिकारी फागुलाल नागेश से बात की तो उन्होंने कहा कि मारपीट की घटना हमारे संज्ञान में नहीं है। अगर वहां अवैध तरीके से घाट चलाया जा रहा होगा तो हम कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि सयुक्त टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। रेत परिवाह में लगे आज 16 वाहन को जब्त भी किया गया है। जिसमे 14 राजिम तो 2 फिंगेश्वर थाना के सुपुर्द किया गया है।

रेत परिवहन की पूछताछ करने पर भाजपा अध्यक्ष और बेटे से की मारपीट, एफआईआर दर्ज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में रेत माफियाओं की हिम्मत लगातार बढ़ती नज़र आ रही है। महासमुंद क्षेत्र से अवैध रेत खनन की खबरें आते रहती हैं। बुधवार रात को भी रेत माफिया अवैध रूप से हाइवा में रेत ले जा रहे थे। इस दौरान महासमुंद जनपद अध्यक्ष यतेन्द्र साहू ने हाइवा को देखा, तो रोक कर पूछताछ की। जिसके बाद रेत माफियाओं ने जनपद अध्यक्ष और उनके बेटे के साथ मारपीट कर दी।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को रात 8:50 बजे महानदी से अवैध रूप से रेत खनन कर हाइवा से ले कर जा रहे थे। इस दौरान जनपद अध्यक्ष और उनके बेटे विवेक साहू ने उन्हें रोककर ड्राइवर से रायल्टी पिट पास के संबंध में पूछताछ की। ड्राइवर ने बताया कि उसके पास रायल्टी पिट पास नहीं है। जिसके बाद जनपद अध्यक्ष ने इस मामले की सूचना जिला खनिज अधिकारी को दी । उधर हाइवा चालक ने फोन कर रेत माफिया को खबर कर दी। जिसके बाद रेत माफियाओं की गुंडागर्दी देखने को मिली। बरबसपुर निवासी झाला चंद्राकर (रेत माफिया) ने ड्राइवर की सूचना पर वैभव चंद्राकर और तरुण चंद्राकर के साथ सिरकोनी चैक पहुंचे। वहां पहुँच कर माफियाओं ने अवैध खनन की जानकारी देने के लिए मौके पर पहुँच कर यतेन्द्र साहू और विवेक साहू पर के साथ भारी मारपीट की और उनकी कार के साथ भी तोड़फोड़ कर दी। दोनो पक्षों में जमकर हाथा-पाई हुई। जिसके बाद जनपद अध्यक्ष की शिकायत पर खनन माफिया के खिलाफ सिटी कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। इस मामले को लेकर एडिशनल एसपी प्रतिभा पांडे ने कहा कि, मारपीट होने के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे। हमने दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज की है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति घोटाले की जांच शुरू

बिलासपुर। शिक्षा विभाग में हुए अनुकंपा नियुक्ति घोटाले की जांच राज्य सरकार की आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने शुरू कर दी है। इसी सिलसिले में जिला शिक्षा अधिकारी को नियुक्ति से संबंधित सभी दस्तावेज देने के लिए कहा गया है।

ज्ञात हो कि कोविड काल में शिक्षा विभाग में मृत शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को शासन की नीति के तहत अनुकंपा नियुक्ति दी जानी थी। शासन ने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का तेजी से निपटारा करने का निर्देश दिया था। ऐसी नियुक्ति में प्रावधान किया गया था कि संबंधित आवेदक के परिवार के किसी सदस्य को सरकारी नौकरी में नहीं होना चाहिए। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी पी. दासरथी ने ऐसे 12 कर्मचारियों की नियुक्ति नियमों के खिलाफ जाकर कर दी, जो मृतक कर्मचारी के नजदीकी संबंधी नहीं थे, अथवा उसके परिवार का कोई अन्य सदस्य सरकारी नौकरी में पहले से ही था। इस बात की शिकायत उच्चाधिकारियों को की गई।

विभागीय जांच में पाया गया कि प्रभारी डीईओ दासरथी और लिपिक विकास तिवारी ने सांठगांठ कर अपात्र लोगों को नौकरी दे दी है। जांच के बाद 12 में से 11 नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया, सिर्फ एक की नियुक्ति में गड़बड़ी नहीं मिली। इसके बाद दासरथी को निलंबित किया गया, जिस पर उन्होंने हाईकोर्ट से स्थगन ले लिया। इस समय वह विभाग में अपने सहायक संचालक के मूल पद पर काम कर रहे हैं। इसी तरह से क्लर्क तिवारी ने भी अपने आपको बहाल करा लिया। नियुक्ति में गड़बड़ी करने की पुष्टि होने के बावजूद उक्त दोनों व अवैध रूप से नियुक्ति पाने वालों के विरुद्ध किसी तरह की पुलिस जांच की अनुशंसा नहीं की गई। इसकी शिकायत ईओडब्ल्यू से की गई। ईओडब्ल्यू ने प्रारंभिक जांच की और शासन से अपराध दर्ज करने की मांग की है। इसी क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर ईओडब्ल्यू ने नियुक्ति की प्रक्रिया और विभागीय जांच से संबंधित सभी दस्तावेजों की मांग की है।

10 नक्सलियों के शव में से 8 की हुई शिनाख्त

■ पुलिस ने एके 47 सहित भारी मात्रा में हथियार बरामद किए

नारायणपुर। 30 अप्रैल को नारायणपुर जिले में पुलिस व नक्सलियों के बीच हुई। पुलिस ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया था, जिसके बाद सभी के शव को पहचान के लिए मुख्यालय लाया गया, जहां पुलिस ने मारे गए 10 नक्सलियों में आठ नक्सलियों की पहचान करते हुए उनके फोटो भी किए हैं।

नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में काकुर-टेकमेटा-परोदि के जंगलो में पुलिस ने 10 नक्सलियों को ढेर कर दिया था। मारे गए नक्सलियों में तीन महिला और सात पुरुष शामिल हैं। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर 29 अप्रैल को जवान नारायणपुर और कांकेर जिले के बॉर्डर इलाके में सर्चिंग पर निकले हुए थे। रात भर सर्चिंग के बाद 30 अप्रैल की सुबह अबूझमाड़ के टेकामेटा के जंगलों में डीआरजी और एसटीएफ़ के जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया।

मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग के दौरान जवानों ने एक एके 47, एक इंसास राइफल, सहित भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद जब्त किया। मुठभेड़ में महाराष्ट्र, तेलंगाना और बस्तर के 1 एसजेडसीएम, 2 डिवीसीएम 1 एसीएम नक्सली कमांडर्स सहित 10 इनामी नक्सली मारे गए। इनमें एसजेडसीएम जोगन्ना, जिस पर 196 आपराधिक मामले दर्ज हैं और मलेश कमांडर कंपनी नंबर 10 जिस पर 43 आपराधिक

प्रकरण दर्ज हैं। वहीं, डिवीसीएम विनय जिस पर 8 आपराधिक मामले गढ़चिरौली जिले में दर्ज हैं।

मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने दो को उतारा मौत के घाट

बीजापुर। बीजापुर जिले में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या कर दी। छूटवाही गांव के दो ग्रामीणों को नक्सलियों ने पुलिस का मुखबिर बताते हुए हत्या कर दी है। हालांकि खबर लिखे जाने तक आधिकारिक तौर पर घटना की पुष्टि नहीं कि गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने जिन दो ग्रामीणों की हत्या की है उनमें जोगा मांडवी और हूँगा मांडवी के नाम शामिल हैं। दोनों तरेंम थाना क्षेत्र के छूटवाही गांव के रहने वाले हैं। इस मामले में बीजापुर एसपी ने कहा है कि जानकारी मिली है तस्दीक करने के बाद पूरी जानकारी दी जाएगी।

भीषण गर्मी में धधक रहा जंगल हफ्ते भर में 15 जगह लगी आग

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में भीषण गर्मी पड़ रही है, जहां सूर्य देवता आग उगल रहे हैं। वहीं जंगलों में भी आगजनी की घटनाएं बढ़ गई। बीते एक सप्ताह में कवर्धा वन मंडल के जंगल में 15 बार अग्नि दुर्घटना सामने आई है। वन कर्मचारी व अधिकारियों की तत्परता, फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम की मदद से आग को समय रहते बुझा लिया व जंगल को अधिक क्षति नहीं हो पाई।

वन विभाग द्वारा इस वर्ष भी प्रत्येक परिसर में अग्नि प्रहरी रखा गया है, जिनकी मदद से वनकर्मी आग बुझाने हेतु निरंतर कार्यरत हैं। विभाग के द्वारा वन मंडल स्तर से प्रत्येक उप परिक्षेत्र स्तर पर फायर ब्लोअर प्रदाय किया गया है, जिससे अग्नि को नियंत्रित करने में सहयोग प्राप्त हो रहा है। भोरमदेव अभ्यारण अंतर्गत भीषण गर्मी से संतप्त वन्य प्राणियों की प्यास बुझाने के लिए टैंकर के माध्यम से सौसर पीटो में जल भरा जा रहा है। साथ ही सभी परिसर रक्षकों को स्टील के थरमस भी पेयजल उपलब्ध कराए गए हैं। आठ मई तक गर्मी और भी अधिक बढ़ने की संभावना है,जिससे की अग्नि प्रकरणों में भी वृद्धि होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस प्रकार की विषम परिस्थिति में वन विभाग आम जनता से भी सहयोग की अपेक्षा की है। जंगल में आग लगा हुआ पाया जाता है तो उसे बुझाने में वन विभाग को सहयोग प्रदान करने की अपील किया है। आग लगने की घटना की जानकारी देने विभाग ने मोबाइल नंबर जारी किया है। परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा-9589035132, परिक्षेत्र अधिकारी तरेगांव- 8253055155, परिक्षेत्र अधिकारी, सहसपुर लोहारा- 9981367779, परिक्षेत्र अधिकारी, खारा- 9981367779, परिक्षेत्र अधिकारी, रेंगाखार - 9406419704, परिक्षेत्र अधिकारी, पंडरिया पूर्व -9685476224, परिक्षेत्र अधिकारी, पंडरिया पश्चिम-7224863272, परिक्षेत्र अधिकारी, भोरमदेव अभ्यारण्य कवर्धा -7828853500 परिक्षेत्र अधिकारी, भोरमदेव अभ्यारण्यचिल्फी-7587313381के नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

एसबीआई चौक से चांदनी चौक मार्ग को किया गया वन-वे

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम ने कह कि जगदलपुर शहर धीरे-धीरे बड़े नगर का स्वरूप ले रहा है, इसके साथ ही शहर में वाहनों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शहर के व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाने के साथ नागरिकों की सुविधाओं को पूरा करना प्रशासन का प्रयास है। इसी व्यवस्था के तहत जगदलपुर शहर के एसबीआई चौक से चांदनी चौक मार्ग को वन-वे किया जा रहा है। यह मार्ग एसबीआई चौक से शराब दुकान तक आने वालों के लिए एकांकी किया गया है। जबकि एसबीआई चौक आने वालों के लिए चांदनी चौक से महावीर चौक होते जाने के लिए चिह्नांकित किया गया है। चांदनी चौक के सभी मार्ग को आने जाने के लिए खुला रखा गया है। कलेक्टर ने शहर की सुव्यवस्थित यातायात की व्यवस्था बनाएं रखने और वन-वे मार्ग निर्धारित करने के संबंध में चेम्बर ऑफ कॉमर्स, विभिन्न व्यापारी संघों के प्रतिनिधियों से जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में चर्चा किए। एकांकी मार्ग की व्यवस्था 3 मई के सुबह 7 बजे से प्रारंभ हो जाएगी।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रूपये की दर से होगा भुगतान

गरियाबंद। इस बार हरा सोना यानी तेंदूपत्ता का संग्रहण भी किफायती होने जा रहा है। पिछली सरकार तक तेंदूपत्ता के एवज में 4000 प्रति मानक बोरा मिलता था,जो अब 5500 रुपये के दर पर मिलेगा। वन मंडलाधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि जिले में इस वर्ष 83000 मानक बोरा संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है।इसके एवज में 66000 संग्राहक परिवार को 45.65 करोड़ का भुगतान किया जाना है। पिछले सत्र लक्ष्य से ज्यादा 77606 मानक बोरा का संग्रहण किया गया था,जिसके एवज में 62094 संग्राहक परिवार को 31.04 करोड़ का भुगतान किया गया था। अफसर ने पत्ते के उत्पादन और संग्राहकों के उत्साह को देखते हुए इस बार भी लक्ष्य पूरी कर लेने का दावा किया है। जानकारी के मुताबिक, शासन ने निविदा प्रक्रिया में पत्ता की बोली लगाया गया है। जिसमें मोंगरा समिति के पत्ते की बोली पर सर्वाधिक कीमत मिला। यहां का पत्ता 10675 रुपये प्रति मानक बोरा बिका है। इससे शासन की आय में वृद्धि हुई है। वहीं कुछ समिति ऐसे भी है जिनके पत्ते वर्तमान भुगतान दर से आधे कीमत पर बिकेंगे।

जिला प्रशासन ने वोटर्स को बाइक रैली से किया जागरुक

बेमेतरा। बेमतरा शहर में स्वीप के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान बाइक रैली निकाल कर किया गया। इसमें भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बाइक रैली के जरिए स्वीप टीम ने शहर के विभिन्न चौक-चौराहों में जाकर जिलेवासियों को आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूक किया। इस दौरान लोगों में भी भारी उत्साह देखने को मिला। इस रैली के जरिए वोटरों को जागरूक किया गया, ताकि जिले में शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य पूरा हो सके। बेमेतरा जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर प्रशासन की ओर से नगर के बेसिक स्कूल ग्राउंड से कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। ये रैली सिंघौरी चौक, नवागढ़ चौक, बस स्टैंड से होते हुए भद्रकाली मंदिर तक निकाली गई। इस दौरान वोटरों को आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। वहीं, बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने सभी को चुनाव में मतदान करने की शपथ दिलाई।

पक्षियों को बचाने आगे आई महिलाएं, बांट रही सकोरा

बालोद। बालोद शहर में अभिप्रेरणा ग्रुप की महिलाएं इन दिनों पक्षियों को बचाने में लगी हुई हैं। कड़ी धूप में घूमघूम कर लोगों को फ्री में सकोरा बांट रही है। साथ ही इस बात का संदेश दे रही है कि लोग सकोरे में पक्षियों के लिए दाना पानी रखे। ताकि पक्षियों को भीषण गर्मी में दाना और पानी के लिए भटकना ना पड़े। खास बात ये है कि महिलाएं अपने पैसों से ही मिट्टी के सकोरे तैयार करवा रही है। लोगों को सकोरे देने के साथ ही दाना भी दे रही हैं। इसके साथ ही लोगों पशु पक्षी संरक्षण के लिए भी जागरूक कर रही हैं। इस काम से महिलाएं काफी खुश हैं। कादम्बनी यादव ने कहा कि पानी अनमोल है, इसके बिना जीवन संभव नहीं है। दिनों दिन बढ़ती गर्मी के चलते बेजुबान पशु-पक्षियों के सामने दाना और पानी की समस्या आ गई है। हम इंसान को भूख और प्यास की तड़प व्याकुल कर देती है, तब यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेजुबान पशु-पक्षियों की क्या हालत होती होगी। गर्मी में हम उनके लिए अपने घर और आसपास दाना-पानी की व्यवस्था कर दें, तो इससे बड़ा पुण्य और कुछ नहीं होगा।

पोहा और रसगुल्ला खाने से लोगों की जान आफत में

सक्ती। बुधवार को सक्ती जिले के डभरा ब्लॉक के डोमनपुर में रामसप्ताह का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा थी। कार्यक्रम के बाद सभी को प्रसाद बांटा गया। जिसे खाने के बाद लोगों को उलटी और दस्त की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते वहां मौजूद 100 से ज्यादा लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। रामसप्ताह कार्यक्रम में डोमनपुर और गोविंदपुर के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। धार्मिक कार्यक्रम के बाद सभी को प्रसाद के रूप में पोहा और रसगुल्ला बांटा गया। प्रसाद खाने वाले लोग कुछ देर के बाद उलटी करने लगे। कुछ लोगों को पेट दर्द और दस्त की शिकायत होने लगी। बीमार होने वाले लोगों में महिलाओं, बच्चों की संख्या ज्यादा थी। इस तरह लगभग 100 से ज्यादा लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। तुरंत सभी को डभरा, चंद्रपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डभरा बीएमओ ने बताया कि 70 लोगों को डभरा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दीपक बैज ने सरोज को बताया थप्पड़ मारने वाली दीदी

मनेन्द्रगढ़। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए मतदान तिथि नजदीक आती जा रही है। ऐसे में सभी दलों के स्टार प्रचारकों का चुनावी दौरा प्रदेश में जोरों पर है। इसी कड़ी में आज कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी की आमसभा चिरमिरी में हुई। यहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज सभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडे को लेकर तंज कसा।

उन्होंने सरोज पांडे को थप्पड़ मारने वाली दीदी बताया। दीपक बैज ने कहा कि सरोज दीदी दुर्ग से थप्पड़ मारकर कोरबा लोकसभा क्षेत्र आई हैं। आप लोगों को ध्यान रखना है कि थप्पड़ मारने वाली सरोज दीदी चाहिए की विकास करने वाली ज्योत्सना दीदी।

मरवाही में कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के चुनाव प्रचार अभियान में दीपक बैज शामिल हुए। मरवाही में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान पीसीसी चीफ ने दावा किया कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में बीजेपी से ज्यादा सीटें जीतेगी।

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दीपक बैज ने सरोज पांडेय को लेकर कहा, दुर्ग में एक साहू समाज के व्यक्ति को थप्पड़ मारा था उन्होंने, जिसके वजह से वे वहां से भाग कर इधर से चुनाव लड़ रही हैं।

महतारी वंदन योजना की तीसरी किस्त जारी होने पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भाजपा पर तंज कसा है। दीपक बैज ने कहा, भाजपा ने चुनाव में हार के डर से तीसरी किस्त जारी की है। अब तक 75 फीसदी राशि भी महतारी वंदन में जारी नहीं

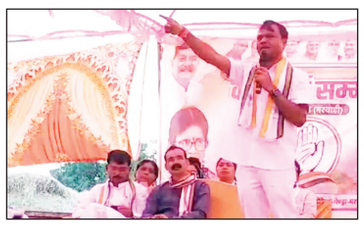

हुई है। लेकिन जनता समझ चुकी है।

दीपक बैज ने कहा महतारी वंदन योजना के नाम पर आपने ठगने का काम किया है। किसानों को ठगने का काम किया, महंगाई चरण पर है, बेरोजगारी चरम पर है। इसलिए जनता बदलाव चाहती है। इस समय आप कुछ भी कर लें, इस बार छत्तीसगढ़ में कांग्रेस बीजेपी से ज्यादा सीटों पर जीत कर आ रही है। पहले और दूसरे चरण के मतदान में कांग्रेस को बढ़त मिल रही है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने आगे कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को चुनौती है। महंगाई का मुद्दा क्या छोटा मुद्दा है क्या। महंगाई पर बात कर लें, बेरोजगारी पर बात कर लें, किसानों पर बात कर लें, कालेधन पर बात कर लें, रोजगार पर बात कर लें। जिस चौक चौराहे पर मुख्यमंत्री बोलें दीपक बैज मुद्दों के साथ बात करने को तैयार है।

बस्तर में हुए नक्सली मुठभेड़ और नक्सली समर्पण पर भी पीसीसी चीफ ने भाजपा को घेरा है। दीपक बैज ने कहा, जब से भाजपा की सरकार आई है, बस्तर अशांत हो गया है। हमारे कई आदिवासियों को फर्जी नक्सली बताकर मार दिया गया है। आदिवासी माताएं-बहनें अब जंगल जाने से डरती हैं। दीपक बैज ने कहा बीजेपी ने बस्तर को फिर अशांत किया है। लेकिन फोर्स ने कुछ टारगेटेड एनकाउंटर भी किया है, इसलिए फोर्स के जवानों को बधाई देता हूं।

तेंदूपत्ता तोडने गई महिला को हाथी ने कुचला, बाकी लोगों ने भागकर बचाई जान, जंगल में अलर्ट

धमतरी। तेज गर्मी शुरू होते ही तेंदूपत्ता तोड़ाई का काम भी शुरू हो जाता है। जिसके चलते जंगलों में ग्रामीण तेंदूपत्ता की तोड़ाई करने जाते हैं। धमतरी जिले के जंगलों में लगातार हाथियों का आना जाना बना रहता है। उनकी मौजूदगी के चलते कोई भी अप्रिय घटना होने की स्थिति बनी रहती है। ऐसे ही आज एक घटना घटित हुई है, जहा तेंदूपत्ता तोडने गई एक महिला को हाथी ने कुचल कर मार डाला।

बताया गया कि केरेगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोकाल निवासी सुरेखाबाई पति कीर्तन सूर्यवंशी के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने कक्ष क्रमांक 108 डोकाल के जंगल गई हुई थी। इस दौरान उनके साथ और भी ग्रामीण मौजूद थे और तेंदूपत्ता की तोड़ाई कार रहे थे। तभी अचानक कांकेर तरफ से एक हाथी पहुंचा और आतंक मचाते हुए सुरेखाबाई की जान ले ली।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रदीप सिंह और वनविभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। शव पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। केरेगांव रेंजर ओंकार सिन्हा ने बताया कि तेंदूपत्ता तोड़ाई का काम आज से शुरू हो गया है। डोकाल के दंपत्ति तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए जंगल गए हुए थे। इसी दौरान कांकेर तरफ से आया एक हाथी ने सुरेखा बाई को अपनी चपेट में ले लिया जिसकी मौत हो गई। पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तात्कालिक सहायता राशि 25000 परिजनों को दी जाएगी। इसके बाद प्रकरण बनाकर मुआवजा भी दिया जायेगा। जंगल में लोगों को अलर्ट कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तावड़े मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की। साय ने पुष्प गुच्छ भेंट कर विनोद तावड़े का स्वागत किया और छत्तीसगढ़ में उनकी सरकार द्वारा 100 दिन में किये गए जनहित, विकास के कार्यों सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद श्री साय ने विनोद तावड़े की तारीफ में कहा कि एक सरल, सहज व्यक्तित्व के धनी विनोद तावड़े से आज आत्मीय मुलाकात हुई। तावड़े कुशल संगठनकर्ता हैं, जिसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिल रहा है।

प्रोफेसर शाहिद अली की सेवाएं समाप्त

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि के एसोसिएट प्रोफेसर डा.शाहिद अली की सेवाएं समाप्त कर दी गई है। काफी समय से उनकी नियुक्ति व डिग्री को लेकर विवाद चल रहा था। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाना बताया गया था। कुलपति बलदेव भाई शर्मा के निर्देश पर 27 मार्च को आदेश जारी किया गया था। आदेश तिथि से ही सेवाएं समाप्त मानी जायेगी। विवि प्रबंधन ने अली के दोनों ही पतों पर आदेश भेज दिया है।

गौरवपथ को रायपुर नगर निगम ने किया डामरीकरण

रायपुर। रायपुर नगर निगम के द्वारा गौरवपथ के क्षतिग्रस्त मार्ग को सुधारने के लिए डामरीकरण का कार्य किया गया। ये काम बुधवार रात खत्म हो गया। निगम के कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा ने बताया कि गौरवपथ में कलेक्ट्रेट मल्टीलेवल पार्किंग अम्बेडकर चौक से लेकर तेलीबांधा तक का मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसकी शिकायत आम लोगों के साथ ही जनप्रतिनिधियों से भी मिल रही थी। कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर इस मार्ग के सुधार के लिए मार्च महीने से कार्य प्रारंभ किया गया। व्यस्त मार्ग होने के कारण इस मार्ग में दिन में कार्य कराना सम्भव नहीं होता। इस वजह से यहां रात में ही काम किया गया। पहले इस मार्ग के एक ओर मार्ग का डामरीकरण किया गया। वहीं दूसरा मार्ग आवाजाही के के लिए खुला रखा गया। एक ओर का काम खत्म होने के बाद इसके दूसरे मार्ग का डामरीकरण का कार्य किया गया। आज ये कार्य भी पूर्ण कर लिया गया। सड़क क्षतिग्रस्त नहीं होने से अब गाडियां यहां से सरपट निकल सकेंगी।

आशियाना अपार्टमेंट के बंद कमरे में लगी भीषण आग

रायपुर। राजधानी रायपुर के एक अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आशियाना अपार्टमेंट के सी ब्लॉक की तीसरी मंजिल के मकान में आग लगी है। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची दमकल के दो गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। वहीं आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना कबीर नगर थाना क्षेत्र का है। आशियाना बिल्डिंग के तीसरे फ्लोर के सी ब्लॉक 302 नंबर मकान में अचानक आग लग गई। जब आग लगी उस वक्त घर में ताला बंद था, परिवार के सभी लोग मुंबई गए हुए हैं। आग लगने की सूचना पर दमकल की दो गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया गया। इस घटना से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

भीड़-भाड़ जगहों से मोबाइल चोरी कर हो जाता था रफूचक्कर

रायपुर। रायपुर पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आदतन चोर शहर में घूम-घूमकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। इसके कब्जे से अलग-अलग कंपनी के कुल सात नग मोबाइल जब्त किया गया है। आरोपी चोरी के मोबाइल को कम दाम में बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। मुखबिर ने देवेन्द्र नगर थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी। इस दौरान थाना प्रभारी देवेन्द्र नगर के नेतृत्व में थाना पुलिस की टीम ने उक्त जगह पर जाकर मुखबिर के बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पुलिस के पूछताछ में उसने ने अपना नाम धनेश्वर सागर उर्फ मनक निवासी पंडरी रायपुर का होना बताया। धनेश्वर सागर की तलाशी लेने पर उसके पास सात मोबाइल मिला। इस संबंध में पूछताछ करने और दस्तावेज की मांग किया गया। दस्तावेज की मांग करने पर उसने किसी प्रकार का दस्तावेज नहीं दिखाया। साथ ही पुलिस टीम को लगातार गुमराह कर रहा था।

सुपर स्वीट्स में मतदान का निशान दिखाने पर 5 फीसदी की छूट

रायपुर। लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में अब 7 मई को आखिरी चरण के लिए मतदान होना है। शहर के प्रमुख संस्थान 1962 से स्थापित सुपर स्वीट्स के संचालक नंदकिशोर अग्रवाल ने बताया कि हम केवल व्यवसाय ही नहीं करते बल्कि जनहित से जुड़े विषयों पर भी अपनी सहभागिता निभाते हैं। लोकतंत्र में मतदान हर किसी का अधिकार हैं और करना भी चाहिए। मतदान ज्यादा से ज्यादा लोग करें इसको लेकर जो भी ग्राहक मतदान का निशान दिखायेगा उसको मिठाइयाँ नमकीन बेकरी उत्पाद की खरीदी में 2 दिन 7 और 8 मई को 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी. बुढ़ापारा के अलावा पंडरी, लाखेनगर (अश्वनीनगर) व अमलेश्वर में भी इस छूट का लाभ मतदाता ले सकते हैं।

लोकसभा के चुनाव में विपक्ष कहीं नहीं : टंकराम वर्मा

■ रायपुर में रिकार्ड मतों से होगी जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होना है। तीसरे चरण में कोरबा, जांजगिर, दुर्ग, बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़ और सरगुजा में मतदान होने हैं। सभी राजनीतिक पार्टियां जमकर प्रचार कर रही हैं। इसी बीच भाजपा ने लोकसभा चुनाव में विपक्ष को बेहद कमजोर बताया है। मंत्री टंकराम वर्मा इन दिनों प्रदेश के अलग-अलग जिलों के दौरे पर हैं। इसी बीच उन्होने लल्लुराम. कॉम से बातचीत करते हुए कहा कि हमारी तैयारी पूरी है। अंतिम चरण के चुनाव का अंतिम समय है। हमारे सभी कार्यकर्ता पूरे की जी-जान से जुटे हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि, आज हमारे प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल का करीब दो-तीन विधानसभा में आज रोड शो है। इस सिलसिले में आज हम सब बैठक भी थी। हमारे प्रयास हैं कि ज्यादा से ज्यादा वोटिंग परसेंट से मतदान हो और हमें एक नया रिकॉर्ड बनाना है। रायपुर लोकसभा में भाजपा ज्यादा वोट से जीते, इसकी तैयारी में हैं। वहीं उन्होंने कहा कि, लोकसभा चुनाव में विपक्ष कहीं-नहीं है। हमारे रायपुर लोकसभा में तो बिल्कुल भी विपक्ष दिखाई नहीं दे रहा है।

उन्होंने आगे कहा- 4 सीट में चुनाव हुए हैं। चारों सीट में भारतीय जनता पार्टी का कब्जा होगा। लोगों में रुझान है। चार सीट पर जो अभी मतदान हुए हैं, वह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आएगा और आने वाले 7 सीट भी, उसके लिए भी हम मेहनत कर रहे हैं।

सारी दुनिया को, हिंदुस्तान को, सभी को पता हो

गया है कि, देश का विकास, देश की प्रगति, देश की सुरक्षा और देश की अखंडता केवल और केवल नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। नरेंद्र मोदी के काम, उनके प्रतिनिधित्व से प्रभावित होकर के भारतीय जनता पार्टी के साथ आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में हमारे विष्णुदेव साय जी की सरकार बहुत तेजी से कम कर रही है। मोदी जी के गारंटी वाले विकास कार्य कम से कम समय में लागू कर दिए हैं। एक बार फिर डबल इंजन की सरकार बनेगी। वही रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा की 7 तारीख को रायपुर जिले में मतदान होगा। हमारे जो प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल सभी के चिर परिचित हैं। चुनाव हम ही जीतेंगे। रायपुर सहित सभी 11 लोकसभा से सीट जीतेंगे। लोगों का हुजूम लगा हुआ है, कि मैं बृजमोहन अग्रवाल का एक झलक पालू। बृजमोहन अग्रवाल ने 40 साल तक लोगों की सेवा की है। उस सेवा का प्रतिफल मिलेगा। आठ-बार विधायक रह चुके हैं। इसीलिए उन पर कोई संदेह नहीं है। कम से कम 7 लाख से ऊपर वोट से जीतेंगे। सभी कार्यकर्ता लगे हुए हैं। सभी पदाधिकारी लगे हुए हैं और जनता सदैव लगी हुई है हमारी। विपक्ष कहीं नहीं है। पूरे भारत देश में सर्वाधिक मत पाएंगे। बृजमोहन अग्रवाल और विकास की रफ्तार भी दुगनी हो जाएगी।

मूणत ने मांगे बृजमोहन अग्रवाल के लिए वोट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 7 मई को तीसरे चरण में बची हुई 7 सीटों के लिए मतदान होगा, जिसमे रायपुर लोकसभा सीट भी शामिल है। इस सीट पर भाजपा के कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल चुनावी मैदान में है ,लिहाजा भाजपा ने चुनाव प्रचार में पूरी ताक़त झोंक दी है। गुरुवार सुबह भाजपा विधायक राजेश मूणत अनोखे अंदाज में बृजमोहन अग्रवाल के पक्ष में प्रचार करते नजर आये। उन्होने स्वंय ऑटो रिक्शा चालन किया और आटो चालकों से समर्थन मांगा। सब्जी बाजार,योगाभ्यास करने वालों के बीच गार्डन भी पहुंचे,चाय बनाकर राहगिरों को पिलायी। हर तबके के बीच जाकर उन्होने श्री अग्रवाल के लिए वोट मांगते केन्द्र में मोदी की सरकार बनाने के लिए समर्थन मांगा।

भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल को रिकॉर्ड मतों से जीत दिलाने का संकल्प लेकर रायपुर लोकसभा कस्टर प्रभारी और रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ने मोर्चा संभाल लिया है। मूणत अपने विधानसभा में युवा चौपाल और चाय पर चर्चा अभियान चला रहे हैं। कभी वह खुद चाय बनाते और सर्व करते नजर आते हैं,तो कभी बिना सुरक्षा के आम लोगों के बीच पहुंच जाते हैं।

मूणत गुरुवार सुबह अनुपम गार्डन में योग अभ्यास और मार्निंग वाक करने पहुंचे लोगों से मिलने पहुंच गए,जहां उन्होंने लोगों के साथ तस्वीरें खिचाई और भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मूणत ने कहा कि गर्मी का मौसम हैं, लेकिन तेज गर्मी के बावजूद सुबह-सुबह मतदान केंद्रों में पहुंचे और बृजमोहन अग्रवाल को अपना सांसद चुनकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएं। इस दौरान मूणत ऑटो रिक्शा चलाते नजर आये। वह अनुपम गार्डन के बाद डगनियां बाजार, आमानाका समेत कई क्षेत्रों में पहुंचे,जहां कई स्थानों पर चाय पर चर्चा कार्यक्रम के तहत आमलोगों के साथ सुबह की चाय भी पी।

मूणत ने बताया कि वह सर्वसमाज के सभी उम्र वर्ग, महिलाओं, युवाओं, विशेषकर फर्स्ट टाइम वोटर यानी पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के साथ चर्चा करके उन्हें देश के प्रति युवाओं की जिम्मेदारी, मतदान के महत्त्व भाजपा की रीति नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में किए गए कार्यों के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल हैं,हमने संकल्प लिया है कि उन्हें अपने विधानसभा क्षेत्र से 1 लाख वोटों की लीड दिलाएंगे ताकि छत्तीसगढ़ की आवाज दिल्ली में बुलंद हो सके।

विवाद के बीच राधिका खेड़ा ने प्रियंका गांधी के स्वागत में किया पोस्ट

■ कहा- 'दुशील' को लेकर 'कका' का मोह, एक लड़की की इज्जत से है बढ़कर

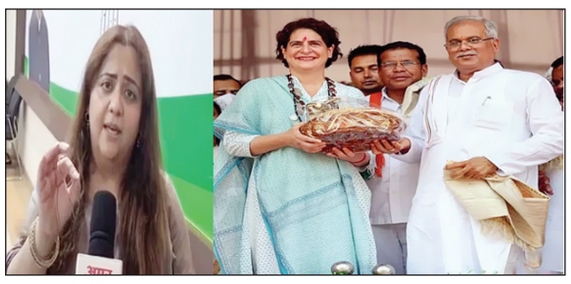

रायपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार अध्यक्ष प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के बीच हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राधिका खेड़ा अपने साथ हुई बर्बरता हो लेकर काफी आक्रोशित हैं और यह साफ झलक रहा है। आज फिर उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि 'दुशील' को लेकर 'कका' का मोह, एक लड़की की इज़्ज़त से बढ़कर है। लेकिन लड़की हूं, लड़ रही हूं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम जी के ननिहाल में दीदी का स्वागत है।

बता दें कि कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन के संचार विभाग में मंगलवार शाम को राधिका खेड़ा ने मीडियकर्मियों को बाइट के लिए आमंत्रित किया था। बाइट देने के बाद बाद वह संचार विभाग मौजूद थीं। मीडिया वाले बाइट लेने के बाद जा चुके थे। कुछ देर में संचार अध्यक्ष प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के कमरे के बाहर बहस होने की आवाजें आने लगी। जानकारी के मुताबिक, सुशील आनंद शुक्ला और राधिका खेड़ा के बीच कुछ-कुछ बातों को लेकर तीखी बहस होने लगी। बहस बढ़ते-बढ़ते इस कदर बढ़ गई की नौबत तू-तू, मैं-मैं और उससे आगे की आ गई थी। बढ़ते विवाद के बीच राधिका खेड़ा कांग्रेस भवन से रोते हुए बाहर निकली और अपने होटल के लिए रवाना हो गई। कांग्रेस भवन के अंदर हुई बहसबाजी की बात ज्यादा देर तक छिपी नहीं रही और इसका खुलासा राधिका खेड़ा के एक्स पर पोस्ट के साथ कर दिया था।

विधायक ने खेड़ा के ट्वीट को लेकर भूपेश पर कसा तंज

■ आखिर प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय नेता तक हर बार बघेल पर ही ठीकरा क्यों फोड़ रहे हैं?

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की विधायक भावना बोहरा ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा के साथ कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में हुए दुर्व्यवहार के मामले में राधिका खेड़ा के ताजा ट्वीट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तंज कसा है। श्रीमती बोहरा ने सवाल किया कि आखिर प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय नेता तक हर बार बघेल पर ही ठीकरा क्यों फोड़ रहे हैं? कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा क्या इस मामले में कारगर कार्रवाई करके साहसपूर्ण संदेश देंगीं?

भाजपा विधायक श्रीमती बोहरा ने कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री खेड़ा के ट्वीट का उल्लेख किया, जिसमें सुश्री खेड़ा ने कहा है- दुशील को लेकर कका का मोह एक लड़की की इज्जत से बढ़कर है। सुश्री खेड़ा ने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी के ननिहाल में दीदी का

%स्वागत करते हुए कहा है कि लड़की हूँ, लड़ रही हूँ। श्रीमती बोहरा ने कहा कि इस घमासान का आज तीसरा दिन है, लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व खामोश है। महिलाओं के सम्मान, उनके लिए महालक्ष्मी न्याय योजना और लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ का ढोल पीट रही कांग्रेस और प्रियंका वाड्रा यह बताएँ कि जब कांग्रेस में ही महिला नेत्रियों का सम्मान सुरक्षित नहीं है, राष्ट्रीय स्तर की नेत्री को ही न्याय के लिए तीन दिन का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, वह कांग्रेस देश की महिलाओं के सम्मान की रक्षा और उनके साथ क्या खाक न्याय करेंगे?

भाजपा विधायक श्रीमती बोहरा ने यह भी जानना चाहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल आखिर क्यों अपनी ही पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता के अपमान की कीमत पर किसी के प्रति मोहग्रस्त हैं? इससे पहले कांग्रेस के प्रभारी महासचिव अरुण सिसौदिया ने और उससे पहले सुरेंद्र वैष्णव ने बघेल पर निशाना साधा था और अब राष्ट्रीय प्रवक्ता ने उन पर कटाक्ष किया है। श्रीमती बोहरा ने कहा कि भूपेश बघेल तो स्वयं अशिष्ट व्यवहार करते हुए भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में एक महिला को ए लड़की कहकर अपमानित कर चुके हैं, तो क्या अब बघेल सुश्री खेड़ा को भी उसी भाषा में नसीहत देंगे कि ए लड़की, ज्यादा राजनीति मत कर। श्रीमती बोहरा ने कहा कि कौशल्या माँ की धरती पर अगर कांग्रेस की ही राष्ट्रीय नेता दुःखी है तो हमारा भी मन विचलित होता है। राधिका खेड़ा को कांग्रेसियों से बचने की सलाह देते हुए श्रीमती बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के रहते उनको कुछ नहीं होगा, यह मोदी की गारंटी है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की गारंटी है।

सभी दांव पड़ रहे उल्टे, जल्द सत्ता से बाहर होने वाली है भाजपा : भूपेश बघेल

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। कोरबा लोकसभा में ज्योत्सना महंत के लिए प्रचार करने आए भूपेश बघेल ने बीजेपी को आड़े हाथों लिया। भूपेश बघेल ने बीजेपी के 400 पार नारे को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। भूपेश बघेल ने कहा कि देश के संविधान को बीजेपी बदल देना चाहती है। जिससे देश की जनता में भारी आक्रोश है।

प्रथम और दूसरे चरण के मतदान के बाद प्रधानमंत्री का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। कुछ का कुछ बोलने लगे हैं। अभी कुछ दिन पहले बोल रहे थे कि कांग्रेस ने घोषणा की है कि सरकार आते ही मंगलसूत्र बांट दिया जाएगा। जो बात कांग्रेस की घोषणा पत्र में नहीं है उसे भी बोले जा रहे हैं। भूपेश बघेल ने कहा दांव जब उलटा पड़ना शुरू होता

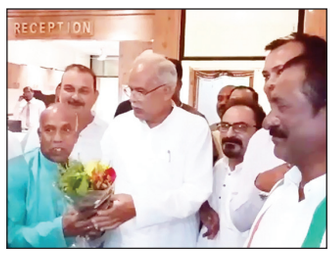

है तो लगातार सारे दांव उलटे पड़ने शुरू हो जाते हैं। अब उनके दिन बदलने वाले हैं। सत्ता से बाहर होने वाले हैं।

दो चरणों में बीजेपी ने मानी हार = वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दो चरण के मतदान के बाद बीजेपी हार मान चुकी है। दस साल शासन करने के बाद विकास की बात नहीं करते,बेरोजगारी,किसान मुद्दे पर बात नहीं करते। शासन करने बाद धर्म और भगवान के नाम पर चुनाव लड़ रहे हैं। बीजेपी पूरी तरह से मुद्दा विहीन हो गई है। दीपक बैज ने कहा प्रधानमंत्री की महंगाई पर बात क्यों नहीं करते बेरोजगारी पर बात क्यों नहीं करते किसान पर बात क्यों नहीं करते और काले धन पर बात क्यों नहीं करते विकास की बात क्यों नहीं करते अपने 10 साल शासन किया अब उसके बाद मंगलसूत्र धर्म और भगवान के नाम पर चुनाव लड़ रहे हो अब आप समझ जाइए कि दोनों चरणों में भारतीय जनता पार्टी बुरी तरह से हार रही है। दीपक बैज की माने तो प्रधानमंत्री अपनी सभाओं में जिस तरह की बातें कर रहे हैं।उसे सुनकर यही लगने लगा है कि दूसरे चरण के बाद बीजेपी मान चुकी है कि वो चुनाव हार रहे हैं।

हाईकोर्ट ने रद्द की आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट की डबल बेंच से आईपीएस जीपी सिंह को बड़ी राहत मिली है, कोर्ट ने उनके खिलाफ सुपेला थाने में दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी है। जीपी सिंह ने इस एफआईआर को समाप्त करने हाईकोर्ट में याचिका पेश की थी।

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2015 में दुर्ग निवासी कमल सेन का बिल्डर सिंघानिया से व्यावसायिक लेन देन को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान सिंघानिया ने सेन के सामने आईपीएस जीपी सिंह को फोन करने की बात कही, मगर फोन पर कोई बात नहीं हुई थी । इसके 6 साल बाद 2021 में कमल सेन ने सुपेला थाने में एक एफ आई आर दर्ज कराकर कहा कि जीपी सिंह ने उनसे 20 लाख की मांग करते हुए धमकी दी है। कमल सेन के आवेदन पर भिलाई के सुपेला थाना में जीपी सिंह के खिलाफ भयादोहन का अपराध दर्ज किया गया। इस एफआईआर को निरस्त करने आईपीएस सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रजनी दुबे की डीबी में मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने माना कि, 6 साल बाद जाकर शिकायतकर्ता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है जो एक काफी लम्बा समय है। इसके साथ ही किसी लोक सेवक के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने धारा 197 में अनुमति लेनी होती है, जो नहीं किया गया। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने इस एफआईआर पर रोक लगाई है।

दरअसल आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ कांग्रेस शासन काल में अलग अलग मामले में जुर्म दर्ज किया गया। उन्हें जेल भी भेजा गया व बर्खास्त कर दिया गया था। इसके खिलाफ उन्होंने कैट में अपील पेश की। कैट ने उनके पक्ष में निर्णय देते हुए राज्य शासन को उनके खिलाफ दर्ज सभी मामलों को चार सप्ताह में निरस्त कर बहाल करने का आदेश दिया है।

रेलवे ने की छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 22 ट्रेनें रद्द

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर रेल मंडल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) रेलवे स्टेशन एलएचएस पुशिंग का काम किया जाएगा। इस काम की वजह से छत्तीसगढ़ से होकर चलने वाली कुछ ट्रेनें कैंसिल रहेगी।

रेलवे प्रशासन की ओर से अधोसंरचना विकास के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर रेल मंडल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) रेलवे स्टेशन एलएचएस पुशिंग का काम किया जाएगा। यह काम आठ से 10 मई तक और 19 से 30 मई तक किया जा रहा है। इसके वजह से ट्रेनें कैंसिल रहेगी।

ये ट्रेनें रहेगी कैंसिल

आठ से 10 मई तक डोंगरगढ़ से चलने वाली 08711 डोंगरगढ़-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। नौ से 11 मई तक गोंदिया से चलने वाली 08712 गोंदिया-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक गोंदिया से चलने वाली 08713 गोंदिया-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर

स्पेशल रद्द रहेगी। नौ से 11 मई तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08716 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) -गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। नौ से 11 मई तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08756 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) रामटेक मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। नौ से 11 मई तक रामटेक से चलने वाली 08751 रामटेक-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई, 2024 तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08754 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) -रामटेक मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक रामटेक से चलने वाली 08755 रामटेक-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08714 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) बालाघाट मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक बालाघाट से चलने वाली 08715 बालाघाट-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08281 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)- तिरोडी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक तिरोडी से चलने वाली 08284 तिरोडी-तुमसर रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक तुमसर रोड से चलने वाली 08283 तुमसर रोड-तिरोडी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक तिरोडी से चलने वाली 08282 तिरोडी- सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। छह से आठ मई तक टाटानगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 18110 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)- टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। आठ से 10 मई तक नागपुर से चलने वाली 11201नागपुर- शहडोल एक्सप्रेस रद्द रहेगी। नौ से 11 मई तक शहडोल से चलने वाली 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

अस्थायी रूप से रद्द होने वाली ट्रेनें

8, 10, 11, 13, 15, 17, 18, 20, 22, 24, 25, 27, 29 और 31 मई को सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 11755 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 7, 09, 10, 12, 14, 16, 17, 19, 21, 23, 24, 26 28 और 30 मई को रीवा से चलने वाली 11756 रीवा- सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 19 से 30 मई तक नागपुर से चलने वाली 11201नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 20 से 31 मई तक शहडोल से चलने वाली 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

अतिरिक्त फेरे के साथ चलेंगी समर स्पेशल ट्रेनें

रायपुर। रेलवे प्रशासन यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी है। सूरत और ब्रह्मपुर के मध्य तीन अतिरिक्त फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा उपलब्ध कराया है। समर के दौरान रेल यात्रियो की मांग और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सूरत और ब्रह्मपुर (ओडिशा) के मध्य तीन अतिरिक्त फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। गाड़ी संख्या 09069/09070 सूरत-ब्रह्मपुर-सूरत साप्ताहिक समर स्पेशल की सुविधा एक से 17 मई तक इस गाडी का परिचालन रहेगा। गाड़ी संख्या 09069 सूरत-ब्रह्मपुर साप्ताहिक समर स्पेशल का परिचालन एक, आठ और 15 मई को प्रत्येक बुधवार को सूरत से रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत 09070 ब्रह्मपुर-सूरत साप्ताहिक समर स्पेशल का परिचालन तीन, 10 और 17 मई को प्रत्येक शुक्रवार को इस गाड़ी का परिचालन सूरत से होगा। इस गाड़ी में कुल 22 कोच उपलब्ध रहेंगे।

इस्राइल की तरह अभेद्य भारतीय सुरक्षा

शिवदान सिंह

पिछले दिनों ईरान ने इस्राइल पर 120 मिसाइल तथा 300 ड्रोन से हमला किया, परंतु ईरान के 99 फीसदी मिसाइल और ड्रोन को इस्राइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही नाकाम कर दिया! हालांकि इसमें अमेरिका, इंग्लैंड, और फ्रांस इत्यादि देशों ने भी उसकी मदद की थी, परंतु इसका श्रेय इस्राइल के अनूठे रक्षा कवच आयरन डोम नामक एयर डिफेंस सिस्टम को जाता है। इससे इस्राइल को कई लाभ हुए हैं। अब वह पूरे विश्व को यह विश्वास दिलाने में सफल हुआ है कि ईरान शुरू से ही आक्रमणकारी रहा है और पूरे अरब क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों में ईरान का हाथ रहा है! नतीजतन अब अमेरिका शीघ्र ही ईरान को एक आतंकी देश घोषित करने की सोच रहा है, जिससे ईरान का तेल व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित होगा! दूसरा, इस्राइल के एयर डिफेंस सिस्टम के प्रति दुनिया का भरोसा बढ़ा है, जिससे उम्मीद है कि उसके आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम के लिए कई देशों से ऑर्डर मिल सकते हैं। ईरान जैसी ही हरकत चीन ने भी 2019 में लद्दाख के गलवां में की थी! दरअसल 1996 में भारत और चीन के बीच हुए समझौते के अनुसार, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएससी) के पास नोमैंस लैंड या सीमाओं के मध्यवर्ती क्षेत्र में दोनों देशों के सैनिक बगैर हथियारों के ही गश्त करेंगे! इसी समझौते के अनुसार, गलवां में दोनों देश की सेनाओं के बीच बातचीत के लिए जून, 2019 में एक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें हिस्सा लेने भारतीय सैनिक तो बगैर हथियारों के पहुंचे, लेकिन चीनी सैनिक कंटीले तार लगे लाठी-डंडों के साथ आए और बिना किसी उकसावे के उन्होंने भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया। मगर निहत्थे भारतीय सैनिकों ने बहादुरी से इसका जवाब देते हुए कई चीनी सैनिकों को ढेर कर दिया तथा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण पहाड़ियों पर भी कब्जा कर लिया। अब इस क्षेत्र में चीन आसानी से घुसपैठ नहीं कर सकेगा! चीनी हमले का वही परिणाम हुआ, जैसा कि इस्राइल पर ईरान के हमले का हुआ है। इससे चीनी सैनिकों की साख पर भारी धब्बा लगा है। इस्राइल को ईरान के हमले को नाकाम करने से जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं, वहीं लाभ भारत को भी मिला था। भारत ने गलवां हमले के बाद चीनी सीमा पर अपनी रक्षा तैयारी पर और जोर देना शुरू कर दिया है! भारत ने चीनी सीमा पर हवाई सुरक्षा को इस्राइल की तरह अभेद्य बनाने के लिए लद्दाख के पास नियोमा में नए हवाई अड्डे का निर्माण किया है! इसके अलावा, दौलत बेग ओल्डी नामक हवाई पट्टी का भी विस्तार किया गया है। इन दोनों स्थानों से अब राफेल जैसे लड़ाकू विमान उड़ान भर सकते हैं! हवाई हमले की पूर्व सूचना देने के लिए भारत ने आकाशतीर नामक एयर डिफेंस सिस्टम को भी चीनी सीमा पर तैनात कर दिया है! आधुनिक तकनीक से निर्मित इस सिस्टम की सूचना के आधार पर दुश्मन के हवाई जहाज या मिसाइलों को गिराने के लिए आकाश मिसाइल की यूनिट तैनात की गई है! यह मिसाइल लेजर सिस्टम से नियंत्रित होती है, जिसे लक्ष्य से भटकाना असंभव है। इनके अतिरिक्त, दुश्मन पर मिसाइल से हमला करने के लिए आईजीएलए नाम की मिसाइल के 120 लॉन्चर भी चीन सीमा पर तैनात किए गए हैं। 1,000 आधुनिक ड्रोन किसी भी खतरे से मुकाबले के लिए हमेशा तैयार रहते हैं! यही नहीं, लद्दाख तथा अरुणाचल प्रदेश में जमीनी युद्ध के लिए आर्म्ड कोर की टैंक यूनिटों को भी तैनात किया गया है। सेना की स्ट्राइक कोर, जिसमें लड़ाकू टैंक यूनिटों के साथ करीब 15,000 सैनिक होते हैं, को भी अरुणाचल में स्थापित कर दिया गया है! सीमा पर शीघ्र सैन्य सहायता तथा रसद पहुंचाने के लिए अरुणाचल की सीमा तक कई पुलों तथा सड़कों का निर्माण किया गया है! यहीं पर बीते मार्च में प्रधानमंत्री मोदी ने सेलापास नामक सुरंग का उद्घाटन किया। 2010 से पहले लेह को भारत से जोड़ने के लिए केवल एक सड़क श्रीनगरङ्कलेह थी ! अब लेह को एक और लंबी सुरंग द्वारा हिमाचल प्रदेश से भी जोड़ दिया गया है। हिमाचल वाला मार्ग बहुत सुरक्षित है, जिस तक पाकिस्तान पहुंचने की सोच भी नहीं सकता! इस प्रकार अरुणाचल प्रदेश और लेह-लद्दाख के लिए संचार व्यवस्था और सड़क मार्गों की व्यवस्था से इन स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था और भी मजबूत हो गई है। भारत की इन रक्षा तैयारियों को देखकर अब चीन भारत पर कुदृष्टि डालने की सोच भी नहीं सकता!

इस बार मोदी की चिट्ठी पर चर्चा

अनिल तिवारी

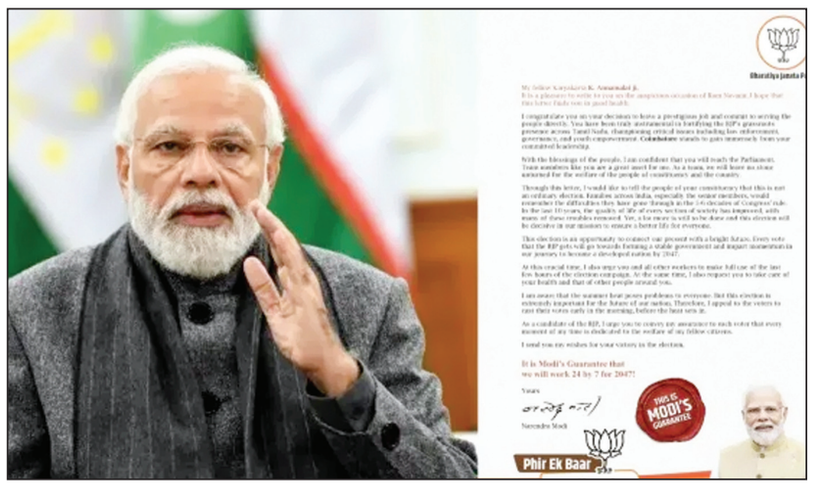

लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही देशवासियों को %परिवारजन% के संबोधन के साथ मतदान के लिए लिखी चिट्ठी के बाद अब तीसरे चरण के मतदान के ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सहित एनडीए के सभी उम्मीदवारों के नाम व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखकर कांग्रेस के मंसूबों के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने तथा चुनाव में विपक्षी गठबंधन को सबक सिखाने की सलाह दी है।

इस क्रम में प्रधानमंत्री ने अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम क्षणों में भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने के लिए अपने भरोसेमंद राजनीतिक साथी अमित शाह को लिखे पत्र में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए विपक्षी दलों पर आक्रामक होने का अनुरोध किया है। इसे लेकर चर्चा जोरों पर है कि आखिर माजरा क्या है?

मालूम हो कि इंटरनेट, गूगल जैसी अनेक डिजिटल सुविधा आने के बाद चिट्ठियों की अनूठी दुनिया के तौर तरीकों में काफी बदलाव आया है, लेकिन इसकी तासीर जस की तस है। जहां तक चुनावी चिट्ठियों का सवाल है तो इसकी भी फेहरिस्त लंबी है। देश के पहले आम चुनाव में मोरारजी देसाई और डॉ भीमराव अंबेडकर ने मतदाताओं को पत्र लिखकर उनके पक्ष में मतदान करने का अनुरोध किया था। हालांकि तब मुंबई की जनता ने दोनों नेताओं के अनुरोध को ठुकरा दिया था।

आचार्य नरेंद्र देव ने भी चुनाव में सहयोग के लिए अयोध्या की जनता को व्यक्तिगत पत्र लिखा था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने 1977 के आम चुनाव में संपूर्ण क्रांति का नारा देते हुए देश की आम जनता के नाम पत्र लिखा था। उस पत्र का व्यापक असर हुआ और उत्तर भारत से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया।

चुनावी पत्रों के मामले में सबसे मौजूं उदाहरण हेमवती नंदन बहुगुणा के पत्रों का है। वर्ष 1980 के आम चुनाव में कांग्रेस (ई) सरकार की वापसी के बाद किसी मुद्दे पर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और हेमवती नंदन बहुगुणा के बीच असहमति बढ़ गई थी। बहुगुणा ने कांग्रेस पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। सन 1982 में गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र का उपचुनाव घोषित हुआ तो बहुगुणा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में कूद गए।

बहुगुणा की लोकप्रियता से दिल्ली की सरकार घबराई हुई थी। गढ़वाल का उप चुनाव इसी घबराहट में दो बार टाला गया, लेकिन जब तीसरी बार चुनाव संपन्न हुआ और परिणाम आया तो सत्ताधारी दल की सारी रणनीति धरी की धरी रह गई। चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी चंद्र मोहन सिंह नेगी की करारी हार हुई। हेमवती नंदन बहुगुणा 29 हजार से अधिक मतों से गढ़वाल यूपी का चुनाव जीत गए।

लेकिन 2 साल बाद ही वर्ष 1984 के आम चुनाव में जब हेमवती नंदन बहुगुणा ने इलाहाबाद सीट से चुनाव लड़ते हुए एक बार फिर मतदाताओं को पांच लाख चिट्ठियां भेजी तो चुनाव हार गये। राजीव गांधी के कहने पर चुनाव में उतरे अमिताभ बच्चन के स्टारडम के आगे बहुगुणा का यह नुस्खा काम नहीं आया। उस चुनाव में अमिताभ बच्चन को कुल पड़े मतों का 67.1त्न मत प्राप्त हुआ जबकि बहुगुणा को केवल 20.8 प्रतिशत मत ही प्राप्त हुए।

बहुगुणा प्रकरण के लंबे समय बाद इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने अमित शाह सहित सभी प्रत्याशियों के नाम जो चिट्ठी लिखी है उसमें मतदाताओं से सीधा संवाद करते हुए अपने प्रत्याशियों की उपलब्धियां गिनाई हैं। सभी प्रत्याशियों के नाम लिखी गयी चिट्ठी में प्रधानमंत्री मोदी ने याद दिलाया है कि यह चुनाव साधारण नहीं है। मोदी द्वारा लिखी चिट्ठी के मुताबिक यह चुनाव हमारे वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का एक सुनहरा अवसर है। यह चुनाव पांच- छह दशकों के कांग्रेस के शासनकाल में हमारे परिवार और परिवार के बुजुर्गों ने जो कष्ट सहे हैं, उनसे मुक्ति पाने का अहम क्षण है।

चिट्ठियों में आगे लिखा है, भाजपा को मिलने वाला हर वोट एक मजबूत सरकार बनाने और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने के प्रयास को गति देने वाला मत है। मैं आपसे कांग्रेस पार्टी और उसके इंडी अलायंस के विभाजनकारी और भेदभावपूर्ण उद्देश्यों के विरुद्ध मतदाताओं को जागरूक करने का आग्रह करता हूं।

कांग्रेस अब यह मानकर चल रही है कि मोदी कोई अपराजेय नेता नहीं है। कांग्रेस की नजर में अब भारत जोड़ो यात्रा के दो चरणों के साथ राहुल गांधी का कद इतना बढ़ गया है कि वह उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देख रही है। कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ अपने अभियान में यह नारा गढ़ा है कि दक्षिण में साफ और उत्तर में हाफ। लेकिन मोदी भी मंजे हुए नेता हैं और इस खेल से पूरी तरह वाकिफ हैं। इसलिए अबकी बार 400 पार के नारे के साथ मोदी और अमित शाह की जोड़ी तीसरे कार्यकाल का दावा तो कर रही है, लेकिन एक अनजाने भय के कारण कांग्रेस के प्रति और कड़ा रुख अख्तियार करने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को प्रेरित कर रही है।

नीतीश कुमार की एनडीए में वापसी, ममता बनर्जी के अलग सुर के बाद नाम मात्र के लिए बचे इंडिया गठबंधन के बीच अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन के बाद बीजेपी को चिंता नहीं होनी चाहिए थी। लेकिन राहुल गांधी जब से हाथ में संविधान लेकर चुनावी रैलियां करने लगे हैं, भाजपा की चिंता बढ़ती जा रही है। राहुल गांधी ने ट्विटर पर कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों और नेताओं से अनुरोध किया है कि वह जहां भी जाए पवित्र संविधान को अपने साथ जरूर रखें और गांव-गांव गली-गली ऐलान कर दें कि जब तक कांग्रेस है दुनिया की कोई ताकत भारत से उसका संविधान छीन नहीं सकती। हाल के दिनों में यह दिखा है कि कांग्रेस ने संविधान को आगे कर जब भी सरकार का विरोध किया है बीजेपी बचाव की मुद्रा में आ जाती है। अभी हाल ही में सोनिया गांधी ने दिल्ली के राजघाट पर कांग्रेस के सत्याग्रह के दौरान संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया था। उसके बाद प्रधानमंत्री की ओर से एक रैली में सफाई दी गई कि बाबा साहब के संविधान को कोई खतरा नहीं है।

लेकिन सवाल यह है कि मोदी की लोकप्रियता चरम पर है और जहां-जहां बीजेपी की सरकार है डबल इंजन के फायदे बताए जा रहे हैं। देश की ताकत घर में घुसकर मारने वाले नए भारत के रूप में पेश की जा रही है, इसके बाद भी दिक्कत आ रही है? मोदी की चिट्ठी में बूथ लेवल पर कांग्रेस को टार्गेट करने की सलाह दी जा रही है, यानी कुछ ना कुछ आशंका जरूर है। लेकिन क्या? बीते दो चुनाव के नतीजे को देखें तो मालूम होता है कि देश में जहां भी क्षेत्रीय दल मजबूत स्थिति में हैं, बीजेपी के प्रदर्शन पर काफी असर पड़ता है। यानी 2024 में भी बीजेपी का नंबर क्षेत्रीय दलों के चुनावी प्रदर्शन पर ही निर्भर करता है। पूरे देश में 243 लोकसभा सीटें ऐसी हैं जहां बीजेपी का क्षेत्रीय राजनीतिक दलों से सीधा मुकाबला है। कांग्रेस की तुलना में बीजेपी के लिए क्षेत्रीय दलों से मुकाबला ज्यादा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में बीजेपी को कांग्रेस के खिलाफ मेहनत करने के बजाय क्षेत्रीय दलों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था। लेकिन पहले दौर के मतदान के बाद भाजपा के रणनीतिकारों का अत्यधिक चौकन्ना हो जाना तथा प्रमुख विपक्षी पार्टी के खिलाफ अति आक्रामक रुख अपनाने की राय से लोगों के कान खड़े होना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत तौर पर चिट्ठी भेजी है। देखना यह है कि लोग चिट्ठी का मजमून बांच कर काम पर लग जाते हैं अथवा लिफाफे को बाद में खोलेंगे कहकर किनारे रख देते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-11)

गतांक से आगे...

इस खेचरी विद्या का अभ्यास एवं मेलन (साधना) साथ-साथ सिद्ध होता है, केवल अभ्यास करने से मेलन (सिद्धि) की प्राप्ति नहीं हो पाती। [खेचरी सिद्धि के लिए क्रिया के अभ्यास के साथ-साथ मेलन प्रयोग करने का विधान है। मेलन के अन्तर्गत मंत्र अथवा गुरु के माध्यम से प्राण शक्ति को शिवशक्ति के साथ संयुक्त करने का विधान कहा गया है। आगे (3.1 में) मेलन मंत्र भी दिया गया है।]

हे ब्रह्मन् ! किसी जन्म में अभ्यास तो मिल भी जाता है, पर मेलन सैकड़ों जन्मों में भी नहीं मिलता। भाव के सहित बहुत जन्मों में साधना करने पर किसी जन्म में योगी को मेलन प्राप्त हो जाता है।

साधक जब गुरु के श्रीमुख से मेलन मंत्र ग्रहण करता है एवं शास्त्रीय परम्परानुसार साधना करता है, तब (कहीं) सिद्धि मिलती है।

ग्रंथ के निर्देशानुसार अथवा उसके भावानुसार जब विधिवत् जान कर मेलन को प्राप्त कर लेता है, तब साधक संसार-सागर से मुक्त होकर शिवस्वरूप हो जाता है।

शास्त्र के बिना गुरु भी ज्ञान प्राप्त नहीं करा सकते, इसलिए हे मुने! शास्त्र का प्राप्त होना जरूरी है; क्योंकि यह शास्त्र बहुत महत्त्वपूर्ण है। यति (साधक) को चाहिए कि जब तक शास्त्र की प्राप्ति न हो जाए, तब तक धरती पर घूम-घूम कर उसे ढूँढ़ना चाहिए। सच्चा शास्त्र ज्ञान प्राप्त हो जाने पर हाथों-हाथ सिद्धि प्राप्त हो जाती है। तीनों लोकों में बिना शास्त्र ज्ञान के सिद्धि नहीं मिल सकती। इसलिए शास्त्र का ज्ञान देने वाला और मेलन (योग) का अभ्यास कराने वाला गुरु भगवान् की प्रतिमूर्ति होता है, उसका अभ्यास कराने वाले को शिव मानकर उसका आश्रय लेना चाहिए। यह ज्ञान प्राप्त करके अन्य (अनधिकारी) के समक्ष न प्रकट करे।

क्रमशः ...

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

ललित गर्ग

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की 3 मई, 2024 को 31वीं वर्षगांठ है। 1993 में इसकी घोषणा किए हुए तीन दशक बीत चुके हैं, जिसमें हमने दुनिया भर में स्वतंत्र प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में पर्याप्त प्रगति देखी है। कई देशों में स्वतंत्र मीडिया के प्रसार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उदय ने सूचना के मुक्त प्रवाह को सक्षम बनाया है। हालाँकि, मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं, जो अन्य मानवाधिकारों की पूर्ति को प्रभावित करता है। अनेक देशों में प्रेस की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे भी लगे हैं। इन महत्वपूर्ण स्थितियों और खतरों का मुकाबला करने के लिए ही प्रेस की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और सूचनाओं तक पहुंच को केंद्र में रख कर विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। प्रेस की आजादी से यह बात साबित होती है कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की कितनी स्वतंत्रता है।

विश्व समुदाय कई संकटों का सामना कर रहा है- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रेस की स्वतंत्रता के मौलिक सिद्धांतों का जश्न मनाने के साथ-साथ दुनिया भर में प्रेस की आजादी का मूल्यांकन करने का अवसर है। यह दिवस मीडिया की आजादी पर हमलों से मीडिया की रक्षा करने तथा मरने वाले पत्रकारों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य करता है।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में प्रेस और मीडिया हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करती हैं, जो हर सवेरे हमारी टेबल पर गरमा गर्म खबरें परोसती हैं। प्रेस केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन-प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है।

भारत में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में हंगामा के पीछे का जॉर्ज सोरोस

अभिनय आकाश

जंग तो इजरायल और गाजा में हो रही है, लेकिन अमेरिका में कोहराम मचा है। दुनियाभर की सबसे बड़ी और मशहूर यूनिवर्सिटी में आजकल हालात का अंदाजा सामने आई तस्वीरों से लग जाएगा। अमेरिका के कॉलेज दुनिया के महंगे कॉलेजों में से एक हैं। जहां पढ़ने के लिए करोड़ों खर्च करने पड़ते हैं। न जाने कितने एग्जाम पास करने पड़ते हैं। उन कॉलेजों में आजकल न किताबें पढ़ी जा रही हैं ना क्लास हो रही है। वहां इन दिनों विद्रोह, नारेबाजी और गिरफ्तारियां होती दिख रही हैं। अमेरिका में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन इतना बड़ा हो गया है कि ये 25 यूनिवर्सिटी तक फैल चुका है। जिसमें कोलंबिया, येल, टेक्सस, ऑस्टीन, लॉस एंजलिस जैसी नामी यूनिवर्सिटी शामिल हैं। अमेरिका का कॉलेजों में फिलिस्तीन को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्र इजरायल से रिश्ता तोड़ने और गाजा में संघर्ष विराम जैसी मांगों पर अड़े हुए हैं। उन्होंने कैंपस में तंबू लगा लिया और मांगे पूरी होने तक वहीं बने रहने की बात करते नजर आए। इस प्रदर्शन की शुरुआत न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी से हुई थी। धीरे धीरे ये अमेरिका के पूरे कॉलेजों में फैल गई। यूनिवर्सिटी प्रशासन की तरफ से प्रदर्शनकारी छात्रों को हटाने की भरसक कोशिश की गई। पुलिसिया कार्रवाई में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। लेकिन फिर भी वे पीछे हटने के लिए तैयार नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में आज आपको बताते हैं कि अमेरिका में फिलीस्तीन सपोर्ट वाले प्रदर्शन की कहानी क्या है? इन प्रदर्शनों का अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर क्या असर पड़ सकता है। भारत ने अमेरिका को क्या नसीहत दी है और इस प्रदर्शन में जॉर्ज सोरेस का एंगल क्या है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में बुधवार के प्रदर्शन के दौरान अतिक्रमण के संदेह में 93 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सार्वजनिक सुरक्षा उपाध्यक्ष चेरिल इलियट के अनुसार, स्कूल में विरोध प्रदर्शन के दौरान 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 20 एमोरी समुदाय के सदस्य भी शामिल थे। जॉर्जिया राज्य गश्ती दल के अनुसार, विरोध प्रदर्शन के दौरान सैनिकों ने अनियंत्रित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ब्लैक पिपर के गोले का इस्तेमाल किया। जॉर्जिया के एमोरी विश्वविद्यालय से सामने आए दृश्यों में, सुरक्षा बल फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों को पीटते, आंसू गैस छोड़ते और कथित तौर पर भीड़ और प्रदर्शनकारियों पर रबर की गोलियां चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ओहियो यूनिवर्सिटी का एक वीडियो वायरल हो गया है जिसमें ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी और इंडियाना ब्लूमिंगडेल यूनिवर्सिटी की छतों पर कुछ स्नाइपर्स देखे गए। हालाँकि, विश्वविद्यालय के प्रवक्ता बेन जॉनसन ने स्पष्टीकरण में कहा कि छतों पर देखे गए लोग राज्य के सैनिक हैं। इस बीच, इंडियाना यूनिवर्सिटी के पुलिस विभाग ने कहा कि डन मीडो में तंबू इकट्ठा करने से कैंपस कानूनों का उल्लंघन हुआ और उन्हें हटाने से इनकार करने पर 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

प्रमुख अमेरिकी विश्वविद्यालयों में चल रहे फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों के बीच, यह पता चला है कि जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स फंड जैसे लोग प्रदर्शनकारियों को वित्त पोषित कर रहे हैं और परिसरों में अशांति पैदा कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) में प्रकाशित एक टिप्पणी में पत्रकार इरा स्टोल ने जोर देकर कहा कि अमेरिका की दो सबसे बड़ी परोपकारी संस्थाओं द्वारा देश भर के परिसरों को बाधित करने वाली हरकतों के लिए कार्यकर्ताओं को भुगतान किया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार का कहना है कि यहूदी विरोधी विरोध प्रदर्शन में शामिल मलक अफ़ानेह और क्रेग बिर्कहेड-मॉर्टन नामक दो छात्र कार्यकर्ताओं को बाद में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए थे। इरा स्टोल के अनुसार, फ़िलिस्तीनी अधिकारों के लिए अमेरिकी अभियान 3 महीने के लिए 8 घंटे/सप्ताह के काम के लिए %कैंपस-आधारित अध्येताओं% को 2880-3360 का भुगतान करता है। उन्होंने कहा कि फेलोशिप को %एजुकेशन फॉर जस्ट पीस इन द मिडिल ईस्ट% द्वारा प्रायोजित किया गया जिसे 2018 से जॉर्ज और एलेक्स सोरोस द्वारा संचालित ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) से 7,00,000 प्राप्त हुए थे।

भारत के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राज्य भर के कॉलेजों में फ़िलिस्तीन के समर्थन में चल रहे विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विभिन्न परिसरों में पुलिस अधिकारियों ने सैकड़ों प्रदर्शनकारी छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे अधिकारों के हनन की चिंताएं पैदा हो गई हैं। नई दिल्ली ने वाशिंगटन को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखने की सलाह दी है। चूंकि भारत परंपरागत रूप से अन्य देशों के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचता है, इसलिए यह नवीनतम बयान नीति में बदलाव को दर्शा सकता है। अतीत में, अमेरिका ने नए नागरिकता कानून और किसानों के विरोध से जुड़े घरेलू नीतिगत फैसलों पर भारत की आलोचना की है। ऐसे में क्या जा रहा है कि भारत अब अमेरिका को अपनी ही दवा का स्वाद चखाने की कोशिश कर रहा है?

अमेरिका में इजरायल विरोध प्रदर्शनों को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खतरनाक बताया है। उन्होंने इस प्रदर्शनों को रोकने के लिए और कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इतना ही नहीं, नेतन्याहू ने इन प्रदर्शनों की तुलना नाजी जर्मनी से भी कर दी। वहीं व्हाइट हाउस ने भी इन प्रदर्शनों की निंदा करते हुए इसकी तुलना आतंकवादियों की भाषा से की है।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी इनकी निंदा की है। बाइडेन ने मीडिया से बात करते हुए न सिर्फ इजरायल विरोधी प्रदर्शनकारियों की निंदा की, बल्कि उन लोगों की भी आलोचना की जिन्हें ये नहीं पता कि फिलिस्तीन में क्या चल रहा है।

आज का इतिहास

1951 रॉयल फेस्टिवल हॉल, ग्रेड द्व को पहले युद्ध के बाद की इमारत, ब्रिटेन के महोत्सव के लिए स्थल के रूप में खोला गया।
1952 पहला विमान सी -47 उत्तरी ध्रुव पर 3 मई, 1952 को पायलट बेनेडिक्ट और सह-पायलट जोसेफ ओ। फ्लेचर के साथ उतरा। अभियान, ऑपरेशन ऑयल ड्रम, एक महीने से भी कम समय में प्राप्त किया गया था।
1960 ऑफ-ब्रॉडवे संगीत द फैंटेस्टिक्स ने अपना प्रीमियर बनाया, जो अंततः दुनिया का सबसे लंबा चलने वाला संगीत बन गया।
1961 अमेरिकी वैज्ञानिक ऐलन शेपर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमरीकी यात्री बने।
1963 अलबामा के बर्मिंघम में पुलिस ने नागरिक अधिकारों के प्रदर्शनकारियों पर उच्च दबाव वाले पानी के होजेंड कुत्तों का इस्तेमाल किया, जिससे दक्षिणी अमेरिका में नस्लीय अलगाव पर गहन जांच हुई।
1965 दुनिया का पहला वाणिज्यिक संचार उपग्रह जिसे अर्ली बर्ड नाम दिया गया है, जिसे औपचारिक रूप से इंटलसैट I के रूप में जाना जाता है, का उपयोग पहली बार 3 मई, 1965 को यूनाइटेड स्टेट्स में टुडे शो के प्रसारण के लिए किया गया था।
1973 दुनिया की सबसे ऊंची इमारत शिकागो का सीयर्स टॉवर जिसकी उचाई 1,451 फीट थी को समाप्त किया गया।
1993 संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रेस की आजादी के महत्त्व के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 03 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया।
1998 यूरोपिय संघ ने साझी मुद्रा यूरो की शुरुआत की जिसे पंद्रह सदस्य देशों ने अपनाया। अमेरिकी डॉलर के बाद यूरो दुनिया में दूसरी सबसे सुरक्षित रखने वाली और प्रचलन में रहने वाली मुद्रा है।
2000 जियो कोचिंग का खेल तब पैदा हुआ जब पोर्टलैंड, ओरेगन, अमेरिका के बाहर एकांत के समन्वय यूसेनेट समूह में तैनात थे।
2001 संयुक्त राज्य मानवाधिकार आयोग ने 3 मई, 2001 को भूमि खदानों और एड ड्रग्स की उपलब्धता जैसे कई मुद्दों पर खराब अमेरिकी मतदान रिकॉर्ड पर कई देशों में नाराजगी के कारण अपनी सीट खो दी। 1947 में स्थापित होने के बाद यह पहली बार था जब अमेरिका संयुक्त राष्ट्र का सदस्य नहीं था।
2003 आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान स्टीव वॉ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।
2007 चार वर्षीय मेडेलिन मैककैन का अपहरण कर लिया गया था।

संपत्ति और विरासत पर कर लगाना सही विचार नहीं

अजय शाह

देश में इस समय यह लोकलुभावन मांग जोरों पर हैं अमीरों से संपत्ति छीनकर उसे गरीबों में बांट दिया जाए। यह रास्ता निरंतर गरीबी और आर्थिक नाकामी की ओर ले जाता है। इन दिनों संपत्ति कर और विरासत कर के रूप में जिन दो विषयों पर चर्चा की जा रही है वे सार्वजनिक वित्त के क्षेत्र में सुपरिचित विषय हैं। पूरी दुनिया में इनी उपयोगिता कम होने को लेकर विश्लेषण हुए हैं। भारत में भी इन्हें लगाने की कोशिश की जा चुकी है। इन्हें दोबारा नहीं लगने देना चाहिए।

आमतौर पर एक दशक में एक बार भारत में संपत्ति और विरासत पर कर का मुद्दा बहस में आता है। ये मुद्दे 19वीं सदी से ही विचार में आते रहे हैं और कई देशों ने इन्हें अपनाने का प्रयास भी किया। अधिक आजादी हासिल करने के लिए इन करों को हटाए जाने के साथ ही अच्छी खासी समृद्धि हासिल हुई है।

भारत में 1953 से 1985 तक संपदा शुल्क लगता था। इसकी दरें 85 फीसदी तक थीं लेकिन व्यवहार में संग्रह की राशि बहुत कम होती थी। राजीव गांधी ने इसे समाप्त किया। संपदा या विरासत पर कर लगाने की व्यवस्था कई देशों में आज भी लागू है। औसतन 24 ओईसीडी देशों में यह कर राजस्व में 0.5 फीसदी का हिस्सेदार है। सार्वजनिक प्रशासन की दृष्टि से देखें तो इसमें मामूली राजस्व के लिए काफी जटिलताओं का सामना करना होता है।

संपत्ति कर के मामले में संभावनाएं और भी कमजोर हैं। भारत में इसकी शुरुआत 1957 में की गई थी। इससे 2012-13 में 800 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया गया। इसे 2015 में समाप्त कर दिया गया। चार ओईसीडी देशों में यह लागू है और इससे नाम मात्र का राजस्व आता है।

इन्हें हासिल करने की प्रक्रिया में कीमत चुकानी होती है : मसलन देश में समझदारी भरी कर व्यवस्था लागू करने के बुनियादी काम पर ध्यान नहीं दे पाना। भारत में कराधान काफी ऊंचे स्तर पर है। देश में व्यक्तिगत आय कर की उच्चतम दर 42 फीसदी है। कॉर्पोरेट आय कर 25 फीसदी और अधिकतम जीएसटी की दर 18 फीसदी है।

आयात, गैर टैरिफ अवरोध आदि पर कर स्थिर गति से बढ़ रहा है। अगर 1991 के बाद के दौर से तुलना करें तो हमारे यहां आयात कर की दर काफी अधिक है। इससे अत्यधिक उच्च कर वाला माहौल तैयार होता है और कर अधिकारियों को मनमाना अधिकार प्रदान करता है। कर नीति में हमारी प्राथमिकता संपदा कर या विरासत की चुनौती से जूझने के बजाय कर नीति और कर प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर काम की होनी चाहिए।

एक अर्थशास्त्री ऐसा व्यक्ति होता है जो किसी काम के व्यवहार में सफल होने पर यह देखता है कि क्या यह सिद्धांत में भी सफल है। क्या कोई अनुभव केवल चुनिंदा दुर्घटनाओं पर आधारित होता है या फिर कोई अवधारणात्मक आधार होता है जिनसे बचा न जा सके। ऐसे में तह तक जाकर यह सवाल पूछना सही होगा कि विरासत कर और संपदा कर का प्रदर्शन सही रहेगा या नहीं? लोग प्रोत्साहन पर प्रतिक्रिया देते हैं। अधिक कराधान को लेकर पहली प्रतिक्रिया कम काम के रूप में सामने आती है। अगर विरासत और संपदा कर से दंडित किया जाएगा तो लोग संपत्ति बनाने के लिए कम काम करेंगे। यह देश के लिए नुकसानदायक होगा।

दूसरी प्रतिक्रिया है कर किफायत ढांचे में नई जान फूंकना। अपने अंतिम समय में वसीयत बनाने के बजाय लोग अपनी परिसंपत्ति जिंदा रहते ही चुने हुए लोगों को हस्तांतरित कर देंगे। यह सरकार की राजस्व प्राप्ति की क्षमता को बाधित करते हुए उनके व्यवहार में विसंगति लाएगा।

कई माता-पिता कर से बचने के लिए बच्चों को जल्दी संपत्ति देकर अधिकार खोने के बजाय अप्रत्याशित निधन के पहले के वर्षों में बार-बार वसीयत को बदलना पसंद कर सकते हैं। तीसरी प्रतिक्रिया है कारोबारी गतिविधियों को किसी मित्रतापूर्ण क्षेत्र मसलन दुबई, श्रीलंका, केमैन आइलैंड, सिंगापुर या आयरलैंड में स्थानांतरित करना। यह बात कर राजस्व को प्रभावित करती है। अगर भारत की अर्थव्यवस्था एक खुली अर्थव्यवस्था होती तो कुछ भी गलत नहीं होता। एक व्यक्ति आयरलैंड में कर चुकाता और भारत में कारोबारी गतिविधियां संचालित करता। परंतु भारत खुली अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है। हमारे यहां सीमा पार गतिविधियों को लेकर कई दिक्कतें हैं। चालू खाते और पूंजी खाते में परिवर्तनीयता अनुपस्थित है। ऐसे में एक बार जब कोई व्यक्ति अपना कर आवास देश के बाहर कर लेता है तो एक तरह के अलगाव की भावना घर कर जाती है तथा देश में संगठन बनाने की भावना कमजोर पड़ती है।

भारत का भविष्य करीब 10,000 कंपनियों के हाथ में है और यह बेहतर है कि भारतीय राज्य को इस प्रकार तैयार किया जाए कि वह इन नेतृत्वकारी टीम में से प्रत्येक की ऊर्जा और महत्त्वाकांक्षा का पोषण करे। संक्षेप में कहें तो संपत्ति कर और विरासत कर कमजोर प्रदर्शन करते हैं क्योंकि वे लोगों के व्यवहार को बाधित करते हैं जिससे जीडीपी को नुकसान पहुंचता है।

लोगों के व्यवहार में आई विसंगति कर राजस्व को प्रभावित करती है। ऐसे में ये कर दुनिया के सबसे बुरे उदाहरण पेश करते हैं। व्यवहारगत विकृतियां जीडीपी को प्रभावित करती हैं, एक जटिल कर अफसरशाही तैयार होती है जो भारत जैसे देश में कर अधिकारियों को मनमाना अधिकार दे सकती है और कर राजस्व में कमी आती है।

यह बहस पुनर्वितरण बनाम वृद्धि की व्यापक पहेली में सटीक बैठती है। हमें ऐसी बहसों में अपना ध्यान नहीं भटकाना चाहिए कि एक पिज्जा किस प्रकार बांटा जाएगा। भारत एक निम्न मध्य आय वाला देश है। हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है और वह है आगामी 100 वर्षों तक वृद्धि को बरकरार रखना तथा विकासशील राज्य की क्षमता बनाए रखना।

सन 1947 में गरीब रहे देशों में से केवल चार आज उन्नत अर्थव्यवस्था वाले देश बन सके हैं। विकास की यात्रा एक कठिन यात्रा है जहां सफलता की कोई गारंटी नहीं। ऐसे में वर्ग को लेकर जंग छेड़ना निजी गतिशीलता पर बुरा असर डालेगा और राज्य की क्षमता को प्रभावित करेगा।

लैंट प्रिचिट कहते हैं कि दुनिया भर में गरीबी की दर में 99 फीसदी अंतर को केवल एक आंकड़े से समझा जा सकता है और वह है- औसत आय। अगर हम गरीबी दर में बदलाव करना चाहते हैं तो हमें औसत आय पर ध्यान देना होगा। कर, सामाजिक कार्यक्रम आदि के माध्यम से पुनर्वितरण के सरकार के सभी प्रयास शेष एक फीसदी में बैठते हैं और कम वृद्धि की कीमत पर आते हैं।

आर्थिक विषमता कम करने उपायों पर बहस हो

अनिल सिन्हा

कई बार मामूली राजनीतिक इरादों से शुरू हुई बहस गहरे वैचारिक संवाद में बदल जाती है। विरासत की संपत्ति को लेकर हो रही बहस के साथ भी यही हुआ है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजस्थान में एक चुनावी रैली से हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का ब्योरा इकट्ठा करेगी और इसे मुसलमानों के बीच बांट देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह जब प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने कहा था कि देश के संसाधन पर पहला हक मुसलमानों का है। प्रधानमंत्री मोदी के बयान के दो हिस्से हैं। एक हिस्सा हिंदुत्व की विचारधारा से प्रेरित है, जिसके तहत कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों को हिंदू विरोधी व मुस्लिम हितों को प्राथमिकता देने वाला और भाजपा को हिंदू हितों का रक्षक बताया जाता है। दूसरा हिस्सा कांग्रेस के आने पर संपत्ति के फिर से बंटवारा होने से संबंधित है। संपत्ति के बंटवारे के सवाल को विरासत में मिली संपत्ति पर राज्य के अधिकार के मुद्दे से जोड़ने का काम अमेरिका में बसे कांग्रेस की विदेशी शाखा ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष तथा गांधी परिवार के घनिष्ठ सैम पित्रोदा ने किया है। उन्होंने अमेरिकी विरासत कानून का हवाला दिया और बताया कि किसी की छोड़ी हुई सपंत्ति का 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार का हो जाता है और 45 प्रतिशत मृत व्यक्ति के वारिस को जाता है। पित्रोदा के बयान को भाजपा ने लपक लिया। पार्टी का कहना था कि इससे प्रधानमंत्री के इस आरोप की पुष्टि होती है कि कांग्रेस संपत्ति का फिर से बंटवारा करना चाहती है। क्या कांग्रेस वाकई संपत्ति जब्त करने यानी उसके राष्ट्रीयकरण की वकालत कर रही है? पार्टी ने इस आरोप का खंडन किया है। उसके घोषणापत्र में भी ऐसे कोई संकेत नहीं हैं। भाजपा की आशंका काल्पनिक है। असल में, वह जिस सर्वे की बात कर रही है वह जाति जनगणना है। इसमें विभिन्न जातियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की जानकारी इकट्ठा की जाएगी और इस आधार पर वंचित तबकों की आर्थिक व सामाजिक भागीदारी के प्रोग्रैम बनाए जाएंगे। भारत में आर्थिक विषमता की भयावह स्थिति को देखते हुए संपत्ति के फिर से बंटवारे बहस जरूरी है। निश्चित तौर पर विरासत कर इस बंटवारे के लिए एक जरूरी रास्ता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थामस पिकेटी और उनके सहयोगियों की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की कुल आमदनी का 22% ऊपर के एक प्रतिशत लोगों को जाता है। इसी एक प्रतिशत के पास देश की 40% संपदा भी है। दुनिया में सबसे ज्यादा विषमता भारत में है। प्रधानमंत्री मोदी बहस को अलग मोड़ दे रहे हैं। वह संपत्ति छीनने की बात कर रहे हैं और इसका कारण अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण बता रहे हैं। जहां तक संपत्ति छीनने का सवाल है तो इसके उदाहरण सोवियत संघ और जनवादी चीन में मिलते हैं। सोवियत संघ का अस्तित्व ही नहीं रहा और चीन पूंजीवाद के रास्ते पर चला गया। भारत में जमींदारी उन्मूलन तथा बैंक, बीमा और कोयला क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण हुआ। लेकिन ये व्यक्तिगत संपत्ति नहीं थीं। पित्रोदा ने अमेरिका के जिस विरासत कानून की बात की है, क्या वह इंगित नहीं करता कि व्यक्ति के कमाए धन पर समाज का बड़ा हक है? क्या इसे संपत्ति छीनना माना जाए? बहुत से देशों में विरासत कर और संपत्ति कर लागू हैं। जापान, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे कई देशो में यह पांच से 70% तक है। भारत में विरासत कर 1953 में लगाया गया था, जिसे 1985 में राजीव गांधी की सरकार ने खत्म कर दिया। संपदा कर 2015 में मोदी सरकार ने खत्म किया। राजीव सरकार में वित्त मंत्री वीपी सिंह ने कहा था कि इस कर से सरकार को कुछ नहीं मिलता। उस साल महज 20 लाख रुपये मिले थे। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि राजीव गांधी ने इंदिरा गांधी की मौत के बाद मिली संपत्ति को ध्यान में रख कर विरासत कर हटाया। कांग्रेस का कहना है कि इंदिरा गांधी ने 1970 में ही अपनी सारी संपत्ति जवाहर लाल नेहरू के नाम पर बने ट्रस्ट के नाम कर दी थी। भले ही, भाजपा कांग्रेस पर विरासत कर वापस लाने और संपत्ति का फिर से बंटवारा करने का अरोप लगा रही हो, कांग्रेस भी इसके पक्ष में दिखाई नहीं दे रही हो, लेकिन आर्थिक विषमता को बढ़ने से रोकने के उपाय ढूंढने की जरूरत है। इसका अहिंसक उपाय गांधी जी ने ट्रस्टीशिप के रूप में निकाला था। इसके मुताबिक सारी संपत्ति भगवान की है, व्यक्ति इसका इस्तेमाल मालिक की तरह नहीं बल्कि रखवाले की तरह करे। हर एक उतना ही खर्च करे जितना जीने के लिए जरूरी हो। गांधी जी मानते थे कि गरीबी और विषमता रही तो इसके खिलाफ हिंसात्मक संघर्ष होंगे। इसे रोकने के लिए उन्होंने ट्रस्टीशिप का सिद्धांत दिया था। जैन दर्शन भी अहिंसा और अपरिग्रह की सीख देता है। संपत्ति के त्याग को भारतीय संस्कृति में अत्यंत ऊंचा स्थान है। ऐसे में, संपत्ति के बंटवारे और विरासत कर का विरोध करना या उस पर बहस से भागना कहां तक उचित है?

लोकसभा चुनाव में मजदूरों का मुद्दा

कृष्ण प्रताप सिंह

इस लोकसभा चुनाव में मजदूरों के मुद्दे कहां हैं? मतदान के दो चरण पूरा होने के बाद भी यह सवाल इस अर्थ में जवाब मांग रहा है कि न वे नेताओं के भाषणों में सुनाई दे रहे हैं, न कार्यकर्ताओं के नारों में और न ही प्रचार या चर्चाओं में। ऐसे में पार्टियों के घोषणापत्रों में उनका जो थोड़ा जिक्र है, वह भी औपचारिक होकर रह गया है। इसलिए सामान्य मजदूर इस जानकारी से भी वंचित हैं कि उनके हालात बेहतर करने के लिए किस पार्टी या गठबंधन द्वारा क्या वादे किये गये हैं या नहीं किये गये और नहीं किये गये, तो क्यों नहीं।

उन मजदूरों को भी यह सब नहीं पता, जिनकी मेहनत से खड़े पंडालों में स्टार प्रचारकों की सभाएं हो रहीं हैं। यह स्थिति इसलिए बहुत अचंभित व चिंतित करती है कि चीन के बाद दुनिया का सबसे बड़ी श्रमशक्ति वाला देश भारत है। कई लोग तो भारत को किसानों और मजदूरों का ही देश कहते हैं। किसान इस मायने में थोड़े खुशकिस्मत हैं कि हाल के वर्षों में उन्होंने कई प्रदेशों में आंदोलनों के रास्ते अपनी ऐसी वर्गीय उपस्थिति दर्ज करा दी है, जो इन चुनाव में भी बनी हुई है। लेकिन मजदूरों की वर्गीय उपस्थिति इतनी भी नहीं है कि किसानों के आंदोलन चलें, तो उनमें खेतिहर मजदूरों की समस्याओं की भी कुछ चिंता कर ली जाए। यह चिंता तब भी नहीं की गयी, जब किसानों द्वारा विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर धरने के दौर में मजदूर संगठनों ने उनके आंदोलन को पूरा समर्थन दिया था।

मजदूरों की दुर्दशा से ज्यादा चर्चा में तो वे कॉरपोरेट कंपनियां हैं, जिन्होंने इलेक्टोरल बांड की मार्फत विभिन्न दलों को बड़े-बड़े चंदे दिये और अपनी व्यवसाय वृद्धि की। मजदूरों के संदर्भ में तो इस पर भी बात नहीं हो रही है कि वे कितनी बुरी स्थितियों में और कितने जोखिमों के बीच काम करते हैं। यह समस्या सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के साथ है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत मजदूरों में 94 प्रतिशत की आय दस हजार रुपये या उससे कम है और इनमें 74 प्रतिशत से ज्यादा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व पिछड़े वर्ग से आते हैं। दिहाड़ी मजदूरों की आत्महत्या की दर किसानों की आत्महत्या की दर जितनी ही चिंताजनक है और उनके लिए बढ़ती विकास दर का अर्थ अपनी बढ़ती हुई बदहाली हो गया है। 'एक देश एक राशनकार्ड' के शोर के बीच अलग-अलग राज्यों में मजदूरी में भारी अंतर है क्योंकि हर राज्य यह अपने हिसाब से तय करता है।

चुनाव का माहौल देखकर लगता ही नहीं कि अभी ज्यादा दिन नहीं हुए, जब केंद्र सरकार द्वारा 'मजदूरों का सुनहरा भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से' संसद से पारित चार श्रम संहिताओं को लागू करने का मुद्दा गर्म था। तब 2019-20 में पारित और 29 'जटिल' केंद्रीय श्रम कानूनों को संशोधित कर और मिलाकर बनीं इन चार संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020) की प्रशंसा व आलोचना में विभिन्न पक्षों द्वारा ढेरों शब्द खर्च किये जा रहे थे। सत्तापक्ष जहां इन्हें बेहद जरूरी आर्थिक सुधार बता रहा था, वहीं विपक्ष और कई श्रम संगठन इनको 'मजदूरों पर लटकती तलवार' और उनके 'भविष्य के लिए खतरे की घंटी' के रूप में देख रहे थे।

मजदूरों को इन संहिताओं से फिलहाल इतनी ही राहत हासिल है कि इन्हें 2021 में एक अप्रैल से लागू करने जा रही सरकार ने अपना यह निश्चय कोरोना के बहाने टाल दिया है। लेकिन उनके पास ऐसा कोई आश्वासन नहीं है कि नयी सरकार आते ही इन संहिताओं को लागू करने की जुगत में नहीं लग जायेगी। ऐसे में यह चुनाव सुअवसर है कि मजदूर संगठन सत्ता में आने की प्रतिद्वंद्विता कर रहे दलों से यह आश्वासन पाने की कोशिश करें कि उनकी सत्ता में आने की मुराद पूरी हुई, तो वे इन संहिताओं को लागू नहीं करेंगे। लेकिन वे ऐसा कुछ भी नहीं कर रहे। गत 12 अप्रैल को मैसूर में वामपंथी मजदूर संगठन सेंटर ऑफ इंडिया ट्रेड यूनियंस (सीटू) ने अपने अधिवेशन में यह जरूर कहा कि मजदूरों के लिहाज से यह लोकसभा चुनाव बहुत अहम है क्योंकि कॉरपोरेट परस्त सरकारी नीतियों व कानूनों ने उनके समक्ष विषम स्थिति पैदा कर दी है, लेकिन ऐसी नीतियों की अलमबरदार पार्टियों को नकारने की किसी पहल का कोई संकेत नहीं दिया।

एक अध्ययन के अनुसार देश में 41.19 प्रतिशत मजदूर कृषि क्षेत्र में, 26.18 प्रतिशत उद्योगों में तथा 32.33 प्रतिशत सेवा क्षेत्र में नियोजित हैं। कांग्रेस, भाजपा व वामदलों द्वारा नियंत्रित अथवा स्वतंत्र पांच प्रमुख केंद्रीय मजदूर संगठन हैं- इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस, भारतीय मजदूर संघ, ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस, सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस और हिंद मजदूर संघ। इनके 90 प्रतिशत सदस्य संगठित क्षेत्र से आते हैं, जबकि श्रम शक्ति में 90 प्रतिशत की हिस्सेदारी वाले असगंठित क्षेत्र के मजदूरों का प्रतिनिधित्व बेहद अपर्याप्त है। साफ है कि ये संगठन कुल मजदूरों के चौथाई हिस्से का भी प्रतिनिधित्व नहीं करते। तिस पर विडंबना यह कि उनकी पूंछ मजदूरों के बजाय अपने नियंत्रक राजनीतिक दलों के स्वार्थों से बंधी रहती है।

पुणे लोकसभा सीट पर कौन मारेगा बाजी?

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र के पुणे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से कुल 35 उम्मीदवार चुनावी मैदान में ताल ठोकेंगे। तीसरे चरण के तहत यहां होने वाले चुनाव के लिए सभी उम्मीदवारों ने प्रचार के जरिये जनता तक पहुँचने के लिए दिन-रात एक कर रखा है। यहां भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन और उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन एमवीए के बीच मुख्य मुकाबला होगा। इस सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे, बारामती, शिरूर और मावल के महायुति के उम्मीदवारों के समर्थन में पुणे में एक मेगा रैली की थी जिससे महायुति के उम्मीदवारों की जीत की संभावनाएं प्रबल हो गयी हैं। वैसे भी पुणे भाजपा का गढ़ रहा है। एक जमाने में सुरेश कलमाड़ी यहां के कद्दावर नेता माने जाते थे लेकिन कॉमनवेल्थ खेल घोटाला मामले के चलते उनकी राजनीति खत्म हो गयी। महाराष्ट्र में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा का यहां शानदार प्रदर्शन रहता रहा है। भाजपा ने इस बार के लोकसभा चुनावों में यहां से पूर्व मेयर मुरलीधर मोहोल को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस की ओर से रविंद्र धांगेकर चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहे हैं।

पुणे में पिछले दस साल में खासकर महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार के कार्यकाल में काफी विकास हुआ है और इस शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में भी तेजी से काम किये गये हैं। पिछले दस सालों में इस क्षेत्र की सूरत काफी बदल गयी है इस बात को क्षेत्र के मतदाता स्वीकार करते हैं। लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अक्सर यहां आना भी इस शहर के तेजी से आगे बढ़ने में सहायक रहा है। हालांकि पिछले साल पुणे विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की हार ने सबको चौंका दिया था लेकिन पार्टी का मानना है

कि उस हार के कारण अंदरूनी खामियां थीं और अब पूरी सतर्कता बरती जा रही है। भाजपा का कहना है कि एक विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में हार का जरा भी असर इस संसदीय चुनाव में नहीं पड़ेगा क्योंकि जनता जानती है कि यह चुनाव देश का प्रधानमंत्री चुनने के लिए हो रहा है।

जब मीडिया की चुनाव यात्रा पुणे पहुंची तो पाया कि यहां भाजपा का प्रचार हर ओर दिख रहा है। कुछ जगहों पर हमें कांग्रेस के झंडे भी दिखाई दिये। हमने स्थानीय लोगों से बातचीत की तो सभी ने कहा कि यह देश का चुनाव है और हम चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री बनें। यहां कई लोगों ने यह भी कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से हमारा बरसों पुराना सपना पूरा हो गया है और हम तो इसी बात को ध्यान में रखते हुए मोदी को वोट देंगे। यहां की मध्यम वर्ग जनता से जब हमने यह कहा कि मध्यम वर्ग हमेशा टैक्स समय पर चुकाता है लेकिन इसके बदले में उसे कुछ नहीं मिलता क्या इस बात को लेकर कोई नाराजगी नहीं है तो लोगों ने कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि हम देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। लोगों ने कहा कि हमें एक बात ध्यान रखनी होगी कि मोदी सरकार ने टैक्स नहीं बढ़ा कर मध्यम वर्ग पर कोई बोझ नहीं डाला है जबकि कर की दरें कुछ कम ही की गयी हैं।

हमने जब महिलाओं से बात की तो सभी ने महिला सुरक्षा के हालात पूरे महाराष्ट्र में बेहतर होने की बात कही। महिलाओं का कहना था कि यदि महंगाई बढ़ रही है तो हमारी आमदनी भी तो बढ़ रही है। महिलाओं ने आगे बढ़कर कहा कि वैश्विक हालात को देखते हुए कई बड़े देशों में महंगाई सारे रिकॉर्ड तोड़ चुकी है जबकि भारत में यह नियंत्रण में है। महिलाओं का कहना था कि मोदी सरकार विकास, विरासत और संस्कृति को जिस तरह एक साथ लेकर आगे बढ़ रही है उससे देश के परिदृश्य में काफी बदलाव आया है।

यहां हमने कुछ ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों तथा ठेला लगाने वालों से बात की तो सभी ने कहा कि हमें कांग्रेस के न्याय पत्र पर नहीं बल्कि मोदी की गारंटी पर विश्वास है। लोगों ने कहा कि कांग्रेस तमाम चीजें फ्री में देने का वादा कर रही है लेकिन हमें कुछ नहीं चाहिए। लोगों ने कहा कि हमने तो फिर भी फ्री में खा लिया लेकिन हम नहीं चाहते कि हमारे बच्चे भी फ्री के सामान पर निर्भर होकर अपना जीवन गुजारें। लोगों का कहना था कि हमारा देश विकसित बनेगा तो हम सभी आगे बढ़ जायेंगे। हमने कुछ बुजुर्गों से बात की तो वह सब भी मोदी सरकार के कामकाज से संतुष्ट दिखे। उन्होंने कहा कि 70 साल उम्र से ज्यादा के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाने का वादा बहुत अच्छा है और इससे वरिष्ठ नागरिकों को बड़ा लाभ होगा। बुजुर्गों में से एक ने कहा कि मुझसे ठीक से चला नहीं जाता लेकिन मैं मोदी को वोट देने जरूर जाउंगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सोच समझ कर मतदान करने का चुनाव है और देश को यदि आगे बढ़ाना है तो नरेंद्र मोदी को एक बार फिर देश का प्रधानमंत्री बनाना होगा। जब हमने युवाओं से बात की और कहा कि राहुल गांधी कह रहे हैं कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर पहली नौकरी पक्की होगी तो उन्होंने कहा कि हमें राहुल गांधी की नौकरी नहीं करनी है। हमें मोदी की स्टार्टअप योजना का लाभ लेकर अपना व्यवसाय खड़ा करना है।

मैनपुरी में मोदी की गारंटी बनाम मुलायम की विरासत

अर्से से समाजवादी पार्टी (सपा) के गढ़ के रूप में पहचान रखने वाले मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बार अपना परचम लहराने को बेताब है। पिछले करीब तीन दशक से सपा के कब्जे वाली इस सीट पर लड़ाई मोदी की गारंटी और मुलायम की विरासत के बीच है। राजधानी लखनऊ से लगभग 220 किलोमीटर दूर स्थित मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र सपा का गढ़ है और पार्टी ने लगभग तीन दशकों तक इस सीट को बरकरार रखा है। यह उन पाँच सीटों में से एक थी, जिन्हें सपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में जीता था। साल 2022 में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद उनकी बहू डिंपल यादव ने उपचुनाव में यह सीट जीती थी। सीट बरकरार रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही डिंपल यादव को मुलायम सिंह यादव द्वारा किए गए कार्यों से उम्मीदें हैं। साथ ही वह चुनावी सभाओं में लोगों को याद दिलाती हैं कि उनका एकमात्र उद्देश्य मुलायम सिंह के पदचिन्हों पर चलकर उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है। डिंपल यादव को मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में प्रचार करते देखा जा सकता है। उनकी बेटी अदिति यादव अपनी मां के लिए अलग से प्रचार कर रही हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने कहा, लोग बदलाव चाहते हैं... वे इस बार सत्ता में बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं। भाजपा की दबाव की राजनीति के कारण समाज का हर वर्ग परेशान है। लोगों को हर स्तर पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। डिंपल यादव के मैनपुरी से नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान यादव परिवार की एकता देखने को मिली। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के अलावा उनके चाचा रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव भी उनके साथ थे। कुछ स्थानीय निवासियों के अनुसार, डिंपल यादव मैनपुरी में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट बढ़त बनाए हुए हैं। बेवर के गग्गरपुर निवासी गौरव यादव ने कहा, यहां से भाभी जी (डिंपल यादव) के अलावा कोई और नहीं जीतेगा। भाजपा मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में डिंपल यादव की जीत का श्रेय मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण उपजी जनता की सहानुभूति को देती रही है और वह इस बार सपा का यह बेहद मजबूत किला फतह करना चाहेगी। भाजपा ने इस बार मैनपुरी से उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री और मैनपुरी सदर सीट से विधायक जयवीर सिंह को मैदान में उतारा है। सिंह ने उम्मीद जताई कि मोदी की गारंटी और विधायक के तौर पर उनके द्वारा किए गए काम उन्हें विजयी बनाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एक चुनावी रैली में लोगों से सिंह को जिताने की अपील की और उन्हें बड़ा आदमी बनाने का वादा किया। शाह ने कहा, आप उन्हें जिताएं और हम सुनिश्चित करेंगे कि वे बड़े आदमी बनें। उनका इशारा सिंह को पार्टी में बड़ी भूमिका मिलने की ओर था, जिससे शहर का सर्वांगीण विकास होगा। भाजपा जिला अध्यक्ष राहुल चतुर्वेदी ने दावा किया कि पार्टी मैनपुरी सीट जीतकर इतिहास रचने जा रही है। उन्होंने कहा, मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद उत्पन्न सहानुभूति की लहर खत्म हो गई है। अब हमारे पास मोदी की गारंटी है, जिस पर लोगों को भरोसा है। वे विकास चाहते हैं, तुष्टिकरण नहीं, और विकास केवल भाजपा ही कर सकती है। उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम चुनाव जीतेंगे। स्थानीय निवासी और भाजपा समर्थक रोहित कुमार ने कहा कि इस बार सपा के लिए मुकाबला आसान नहीं है। उन्होंने कहा, जयवीर जी जीतेंगे तो विकास होगा।

फैमिली के साथ चित्रकूट जाने की कर सकते हैं प्लानिंग, देखिए यहां घूमने की बेस्ट जगह

चित्रकूट एक बेहद खूबसूरत शहर है। यह जगह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच विंध्य पर्वत और घने जंगलों से घिरी हुई है। इस जगह पर लोगआध्यात्मिक एनर्जी के साथ-साथ सुकून की तलाश में भी आते हैं। चित्रकूट में घूमने के लिए काफी सारी जगह हैं, जिन्हें आप परिवार के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां देखिए चित्रकूट घूमने के लिए बेस्ट प्लेसिस-

स्फटिक शिला- स्फटिक शिला अपनी सुंदर सेटिंग और पौराणिक महत्व के कारण चित्रकूट में सबसे फेमस स्थलों में से एक है। चित्रकूट में भगवान राम और देवी सीता से संबंधित कई जगह हैं, स्फटिक शिला उन जगहों में से एक है। ये शिला उन पॉलिश चट्टानों को संदर्भित करता है जिन पर भगवान राम के पैर की छाप है।

जानकी कुंड- मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित जानकी कुंड, हिंदुओं के लिए एक पवित्र जगह है क्योंकि इसका उल्लेख हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों में भी किया गया है। कहते हैं कि ये वह जगह है जहां देवी सीता अपने निर्वासन के दौरान रोजाना नहाया करती थीं।

रामघाट- हिंदू परंपरा के अनुसार रामघाट एक पवित्र जगह है। ये भी मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है। राम घाट चित्रकूट के सबसे फेमस पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

गुप्त गोदावरी गुफाएं- चित्रकूट कई शानदार आकर्षणों का घर है, लेकिन गुप्त गोदावरी गुफाएं अपने महत्व के लिए हिंदुओं के बीच मशहूर हैं। कहा जाता है कि भगवान राम और भगवान लक्ष्मण अपने वनवास के दौरान दरबार लगाने के लिए यहां मिले थे। गुफा के प्रवेश द्वार पर ब्रह्मा, विष्णु और शिव की मूर्तियां है।

मनाली की इन जगहों को कम ही लोग करते हैं एक्सप्लोर, छुट्टियों में आप भी जाएं

शिमला और मनाली दोनों ऐसे हिल स्टेशन हैं, जहां पर ज्यादातर लोग घूमने-फिरने के लिए जाते हैं। देश और विदेश से खूब टूरिस्ट मनाली की सैर करने के लिए जाते हैं।

गर्मियों में इस हिल स्टेशन में टूरिस्टों की खूब भीड़ लग जाती है। बर्फीली चोटियों और देवदार के पेड़ों से चारों तरफ से घिरा मनाली टूरिस्टों को खूब पसंद आता है। यहां पर आप की जगहों को एक्सप्लो कर सकते हैं। हालांकि, अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं जो शांत और खूबसूरत हो तो आपको मनाली के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करना चाहिए। इन जगहों को बहुत कम लोग ही एक्सप्लोर करने के लिए जाते हैं। देखिए, उन जगहों के बारे में-

मनु मंदिर- मनाली में कई मंदिर हैं, लेकिन पुरानी मनाली में मनु मंदिर एक खास मंदिर है। ऐसा माना जाता है कि ये ऋषि मनु को समर्पित दुनिया का एकमात्र मंदिर है। यह मंदिर अपनी लकड़ी की वास्तुकला और शांतिपूर्ण माहौल के लिए जाना जाता है।

तीर्थन वैली- मनाली से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित, तीर्थन वैली एक कम फेमस डेस्टिनेशन है, जहां आपको शांत वातावरण मिलता है। यह अपनी साफ नदी, घने जंगलों, मछली पकड़ने और ट्रैकिंग जैसी एक्टिविटी के लिए जाना जाता है।

गुलाबा- रोहतांग पास के रास्ते में बसा गुलाबा बर्फ से ढकी चोटियों के अद्भुत नजारों वाला एक सुंदर गांव है। यह रोहतांग पास की तुलना में कम भीड़भाड़ वाली जगह है और प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए एक शांतिपूर्ण जगह है।

सेथन गांव- मनाली में किसी नई जगहों को एक्सप्लोर करना चाहती हैं तो सेथन गांव जाएं। पर्यटकों की भीड़ से दूर, सेथन गांव मनाली के पास एक छोटा और शांत गांव है। यह लोकल लाइफस्टाइल का अनुभव करने, प्रकृति का मजा लेने और पैराग्लाइडिंग जैसी एक्टिविटी को एंजॉय करने के लिए एक बेस्ट प्लेस है।

बच्चों को जरुर लें जाए चेन्नई की इन खूबसूरत जगहों पर, आएगा खूब मजा

चेन्नई की इन खूबसूरत जगहों पर जरुर जाएं। चेन्नई, जिसे कभी मद्रास के नाम से जाना जाता था। अगर आप दक्षिण में घूमने का प्लान बना रहे है तो आप चेन्नई को अपनी बकिट लिस्ट में रख सकते हैं। बता दें कि, दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी और दुनिया का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट यहां पर है। चेन्नई को भारत की सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जाता है। चलिए इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप बच्चों के साथ चेन्नई में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

गिंडी नेशनल पार्क

बच्चों के साथ यहां आप जरुर जाए। यह नेशनल पार्क विभिन्न प्रकार के जानवरों और पौधों का घर है। ऐसे में जब आप बच्चों के साथ यहां जाते हैं तो ना केवल बच्चे प्रकृति के साथ अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं, बल्कि उन्हें बेहद ही रोचक तरीके से बहुत सी नई जानकारी भी प्राप्त हो सकता है। पार्क की टाइमिंग सुबह 9 बजे से लेकर शाम 5.30 तक खुला रहता है। यहां पर आप अपने बच्चों के साथ छोटी सी पिकनिक का लुत्फ उठाया।

देखें साइंस सिटी

अगर आपके बच्चे साइंस में रुचि रखते हैं, तो आप बच्चों के साथ साइंस सिटी जरुर जाएं। यह चेन्नई में महत्वाकांक्षी वैज्ञानिकों और अन्वेषकों के लिए घूमने के लिए बेहतरीन जगह है। वहीं, आप यहां पर एक्जिबिशन से लेकर तारामंडल और साइंस शो आदि देख सकते हैं। चेन्नई के कोट्टूरपुरम में साइंस सिटी स्थित है।

कोवलॉन्ग बीच

चेन्नई से कुछ ही दूरी पर कोवलॉन्ग बीच स्थित है। यहां आप बच्चों के साथ चेन्नई जा रहे हैं तो आपको कोवलॉन्ग बीच को जरुर एक्सप्लोर करना चाहिए। दरअसल, इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत बीचेस में से एक माना जाता है। यह बीच सफेद रेत से ढका हुआ है और बीच का नीला पानी देखने का अपना एक अलग ही मजा है। अगर आप बच्चों के साथ बीच पर हैं तो उनके साथ कुछ गेम्स खेल सकते हैं या फिर कुछ वाटर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं। यहां पर आप फिशिंग भी कर सकते हैं।

अरिग्नार अन्ना जूलॉजिकल पार्क

चेन्नई का सबसे लोकप्रिय टूरिस्ट प्लेस में से एक है। अरिग्नार अन्ना जूलॉजिकल पार्क को वंडालूर चिड़ियाघर के नाम से भी जाना जाता है। चेन्नई के दक्षिण-पश्चिम में तमिलनाडु के वंडालूर में स्थित है। अगर आप एक वाइल्डलाइफ लवर हैं या फिर बच्चों की प्रकृति के बारे में जानकारी देना चाहते हैं तो आपको इस जूलॉजिकल पार्क में जरुर जाना चाहिए। यहां पर जानवरों की 170 से अधिक प्रजातियां देखने को मिल जाएगी।

मई के महीने में घूमने के लिए बेस्ट हैं ये जगह, वेकेशन बन जाएगा यादगार

गर्मी के मौसम में बिना किसी काम के घर से निकलना मुश्किल लगता है। लेकिन बात जब घूमने की हो तो हर कोई फटाफट तैयारी कर लेते हैं।

गर्मी में आने वाली वेकेशन में ज्यादातर लोग घूमने की प्लानिंग करते हैं। इस मौसम में लोग परिवार और दोस्तों के साथ घूमने की प्लानिंग करते हैं। लेकिन अक्सर गर्मियों में घूमने के लिए जगह तय करना मुश्किल लगता है। यहां हम आपको बताएंगे उन जगहों के बारे में, जहां आप मई के महीने में अपनी छुट्टियां एन्जॉय करने के लिए जा सकते हैं।

लैंसडाउन

लैंसडाउन एक खूबसूरत शहर है जो छुट्टियों के लिए एक बेस्ट जगह है। उत्तराखंड का लैंसडाउन ब्रिटिश काल से ही एक फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन है और घूमने के लिए फेमस है। बर्फ से ढके पहाड़ों और हरे जंगलों के बीच लैंसडाउन अपने खूबसूरत वातावरण से आपको मंत्रमुग्ध कर सकता है।

बीर बिलिंग

हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत शहर बीर बिलिंग एड्वेंचर के लिए बेस्ट है। ये जगह पैराग्लाइडिंग के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। यह दुनिया भर में पैराग्लाइडिंग के लिए एक बेहतरीन जगह है। आप परिवार के साथ यहां घूमने के लिए जा सकते हैं।

तवांग

तवांग एक खूबसूरत शहर है जिसमें अद्भुत जगहें हैं जो पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर सकती है। सुंदर मठों, झरनों और शांत नजारों के साथ, तवांग एक बेहतरीन शहर है, जहां जाकर आपको मजा आ जाएगा।

मुन्नार

मुन्नार भारत के कुछ सबसे बड़े चाय बागानों का घर है। हरी-भरी हरियाली और ऊंची पहाड़ियों वाली इस जगह को देखने आप मई में जा सकते हैं। पोथामेडु व्यूपॉइंट, चोक्रामुडी पीक, एराविकुलम नेशनल पार्क, इको पॉइंट जैसी जगहों को आप यहां एक्सप्लोर कर सकते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे मोदी के 10 साल : नड्डा

पटना। बिहार के अररिया में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि नरेंद्र मोदी के 10 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे। उन्होंने कहा कि एक तरफ सेवा है, सुशासन है, गरीब कल्याण है, तो दूसरी तरफ राजद-कांग्रेस के शासन की लूट, कुशासन और उनके परिवार का कल्याण था। दोनों में तय आपको करना है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत, दुनिया का तीसरे नंबर का ऑटोमोबाइल मार्केट बन गया है। भारत की दवाई आज दुनिया में दूसरे नंबर पर एक्सपोर्ट हो रही है। हम दुनिया की डिस्पेंसरी बन गए हैं। दुनिया हमसे दवाई खरीद रही है, सबसे सस्ती और असरदार दवाई आज भारत में बन रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आप जो मोबाइल इस्तेमाल कर रहे हैं, उस पर 10 साल पहले लिखा होता था- चीन में निर्मित, कोरिया में निर्मित, जापान में निर्मित, आज आपके मोबाइल पर लिखा है- मेड इन इंडिया। आज भारत में इस्तेमाल होने वाले 97% मोबाइल भारत बना रहा है।

कॉमेडियन श्याम रंगीला पीएम मोदी के खिलाफ लड़ेंगे चुनाव

लखनऊ। स्टैंड आप कॉमेडियन श्याम रंगीला पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने इसको लेकर एक मैसेज किया था। वो निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी पहुंच रहे हैं। अपनी पोस्ट में श्याम रंगीला ने लिखा है कि किसी को अपनी भाषा में प्रतिक्रिया मिलनी चाहिए। पीएम को उनकी भाषा में ही जवाब देने के लिए वो वाराणसी पहुंच रहे हैं। श्याम रंगीला ने पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने के पीछे के कारण चंडीगढ़, सूरत और इंदौर में चुनाव को हैक करने के प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि वाराणसी में भी ऐसा ही न हो जाए और वोट देने के लिए कोई उम्मीदवार ही न बचे। उन्होंने ये भी कहा कि ये मजाक नहीं है कि वो पीएम खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

पीएम का भाषण तथ्यों और वास्तविकता पर आधारित नहीं

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के भाषण तथ्यों और वास्तविकता पर आधारित नहीं होते हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बुनियादी मुद्दों पर कभी बात नहीं करते हैं। एनसीपी-एसपी प्रमुख ने आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी केवल जनता का ध्यान भटकाते हैं। शरद पवार ने कहा, मैंने पहले कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा, जिनका भाषण तथ्यों और वास्तविकता पर आधारित न हो। वह मुझ पर और उद्धव ठाकरे पर निशाना साधकर खुश हैं। महाराष्ट्र में पांच चरणों में लोकसभा चुनाव कराने के फैसले पर राकांपा-एसपी के प्रमुख ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए किया गया, जिससे पीएम मोदी यहां ज्यादा से ज्यादा प्रचार कर सकें। जो भी सत्ता में हैं, वे घबराए हुए हैं।

कुणाल घोष ने स्कूल भर्ती घोटाले के खोले राज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बीच टीएमसी के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष के दावे से सियासी पारा चढ़ गया है। टीएमसी के महासचिव पद से हटाए जाने के बाद घोष ने पार्टी के राज खोलने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव 2021 से पहले ही पार्टी को स्कूल भर्ती घोटाले के बारे में पता था। घोष का पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाला यह बयान लोकसभा चुनाव के बीच आया है, इससे संसदीय चुनाव में एसएससी घोटाला एक बड़ा मुद्दा बन गया है। बता दें कि कुणाल घोष टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाते हैं। घोष ने बुधवार को भाजपा उम्मीदवार के साथ मंच साझा किया था। इस दौरान उन्होंने भाजपा उम्मीदवार की तारीफ भी की। कुणाल घोष ने दावा किया कि 2021 में पार्टी के लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के बाद और भ्रष्टाचार का पता होने के बाद पार्थ चटर्जी को उद्योग विभाग से शिक्षा मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया।

सिसोदिया ने जमानत के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया

नईदिल्ली। पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में जमानत के लिए गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया। तत्काल सुनवाई के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया गया। अदालत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। पीठ ने कहा, न्यायाधीश को फ़ाइल देखने दीजिए, इसे कल आने दें। सिसोदिया का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील रजत भारद्वाज और मोहम्मद इरशाद ने कहा कि याचिकाकर्ता एक विधायक है। उन्होंने अदालत से जमानत की मांग करने वाली दोनों याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया।

गुजरात के आणंद चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर कसा तंज, कहा-

शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने पाकिस्तान उतावला है

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को गुजरात में थे। यहां पीएम मोदी ने आणंद में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस के शहजादे पर जोरदार निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि संयोग देखिए, आज भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। मजा ये है कि यहां कांग्रेस मर रही है और वहां पाकिस्तान रो रहा है। कांग्रेस के लिए अब पाकिस्तानी नेता दुआ कर रहे हैं। शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है और कांग्रेस तो पाकिस्तान की मुरीद है ही।

पीएम ने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की ये पार्टनरशिप अब पूरी तरह एक्सपोज हो गई है। पीएम ने आगे कहा कि मोदी के आने से पहले इस देश में 2 संविधान, 2 झंडे थे। शहजादे की पार्टी कांग्रेस ने, इनके परिजनों ने देश में संविधान लागू नहीं होने दिया था। कश्मीर में हिंदुस्तान का संविधान लागू नहीं होता था। पीएम ने कहा कि धारा 370 दीवार बनकर बैठी थी। सरदार पटेल की भूमि से आए इस बेटे ने उस 370 को जमींदोज कर दिया और सरदार साहब को श्रद्धांजलि दी। पीएम ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे आजकल माथे पर संविधान रखकर नाच रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस मुझे जवाब दे कि जिस संविधान को आज माथे पर रखकर नाच रहे हो, क्यों 75 साल तक हिंदुस्तान के सभी हिस्सों पर ये संविधान लागू नहीं होता था। कांग्रेस के कारण दशकों तक देश के संविधान के साथ भांति-भांति के खिलवाड़ हुए। पीएम ने कहा कि सरदार साहब बहुत जल्दी चले गए, उसके कारण देश को बहुत नुकसान हुआ है। मेरे मन में है कि मैं सरदार साहब के सपने भी पूरे करने की कोशिश करूं। पीएम ने कहा कि 2014 में जब आपने अपने इस बेटे को गुजरात से दिल्ली भेजकर देश की सेवा करने का आदेश दिया, उस समय देश के प्रधानमंत्री बड़े विद्वान अर्थशास्त्री थे। जब उन्होंने छोड़ा था, तब देश दुनिया में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था था। 10 साल में इस गुजराती ने, चाय वाले ने देश की इकोनॉमी को 5वें नंबर पर पहुंचा दिया।

पीएम मोदी ने कहा, देश ने 60 साल तक कांग्रेस का राज देखा है। अब देश ने 10 साल भाजपा का सेवाकाल भी देखा है। वो शासनकाल था, ये सेवाकाल है। कांग्रेस के 60 साल में करीब 60 फीसदी ग्रामीण आबादी के पास शौचालय नहीं था। 10 साल में भाजपा सरकार ने शत-प्रतिशत टॉयलेट बना दिए। 60 साल में कांग्रेस देश में सिर्फ तीन करोड़ ग्रामीण घरों तक ही नल से जल की सुविधा पहुंचा पाई, यानी कि 20 प्रतिशत से भी कम घरों में। 10 साल में ही नल से जल पहुंचने वाले घरों की संख्या आज 14 करोड़ हो गई है, यानी 75 फीसदी घरों में नल से जल पहुंचा है।

पीएम मोदी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने बैंकों पर कब्जा कर लिया और ये कहा कि बैंक गरीबों के लिए होने चाहिए। उन्होंने आगे कहा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण गरीबों के नाम पर करने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार 60 साल में करोड़ों गरीबों के बैंक खाते नहीं खोल पाई। मोदी ने 10 साल में 50 करोड़ से ज्यादा जनधन बैंक खाते खोले।

नया भारत डोजियर नहीं भेजता, बल्कि उनके घर में घुसकर आंतकियों को डोज देता है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तर्क दिया कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक अलग दृष्टिकोण अपनाया और पड़ोसी देश के साथ दस्तावेज साझा करने के बजाय आतंकवादियों को कड़ी टक्कर देने के लिए आतंकवादियों की मांद पर हमला किया। कांग्रेस पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि आतंकवादी भारत में आकर हमले करते थे, उस समय की कमजोर सरकार डोजियर भेजती थी। आज का नया भारत डोजियर नहीं भेजता, आतंकियों को डोज देता है।

इस बात पर जोर देते हुए कि उनकी सरकार ने आतंकी गतिविधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है, पीएम मोदी ने कहा, नया भारत में सुर्खियां हैं- मिशन एलओसी, भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए पाकिस्तान को दंडित किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र में दो दिनों में तीन बैक-टू-बैक रैलियों को संबोधित किया और विपक्ष पर ताजा हमला बोला। मुस्लिम महिलाओं को वोट बैंक की राजनीति का सबसे बड़ा शिकार बताते हुए पीएम मोदी ने कहा, आपने (कांग्रेस) सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी मुस्लिम बहनों को सुरक्षा नहीं दी। तीन तलाक को खत्म करने से सिर्फ महिलाओं को ही नहीं बल्कि परिवारों को भी सुरक्षा मिली।

मोदी ने कहा कि तीसरी बार जब हमारी सरकार बनेगी तो अगले 100 दिन में मुझे क्या करना है- अभी से ही मैंने प्लान तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा के मैदान में आया तो कांग्रेस के पास मुद्दे थे कि ये चाय वाला क्या करेगा... ये मेरी मजाक उड़ाते थे। लेकिन देश ने उनकी इस हरकतों को ऐसा जवाब दिया कि जो कभी 400 सीट लेकर बैठते थे वो 40 सीट पर आ गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने गर्व के साथ पूरे मोदी समाज को, पूरे ओबीसी समाज को चोर कह दिया। यही नहीं, ये मेरे माता-पिता को भी भला-बुरा कहने में पीछे नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि अब 2024 में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ऐसा झूठ लेकर फिर से मैदान में आए हैं- संविधान दिखाते हैं, आरक्षण ले लेंगे... इसका डर दिखाते हैं। यही उनका काम है। देखिएगा... इस बार भी ये पहले से कम सीटों में सिमट जाएंगे। पहले चरण में इंडी गठबंधन पस्त हुआ और दूसरे चरण में पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। अपना हमला जारी रखते बहुए मोदी ने कहा कि ये मोहब्बत की दुकान लेकर निकले थे, लेकिन इन्होंने मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो का कारोबार खोल दिया है। अब चुनाव में उनकी बातें नहीं चल रही, इसलिए वो फर्जी वीडियो बनाकर फैला रहे हैं। इनकी मोहब्बत की दुकान फेक फैक्ट्री हो चुकी है।

तीसरे चरण के मतदान से पहले राहुल ने केंद्र को घेरा

मोदी सरकार 'अंधाधुंध' निजीकरण लागू करके आरक्षण 'छीन' रही है

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने पीएम मोदी पर दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों से गुपचुप तरीकों से आरक्षण छीनने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी आंख बंद करके निजीकरण को लागू कर पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीन रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी सार्वजनिक क्षेत्र में उद्यमों को मजबूत करने और कर्मचारियों के लिए नौकरी के दरवाजे खोलने की गारंटी देती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी के चुनाव प्रचार का मंत्र आरक्षण हटाना है। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी। इसका मतलब है कि न रहेगी सरकारी नौकरी, न मिलेगा आरक्षण। उन्होंने आगे कहा, मोदी सरकार आंख बंद करके निजीकरण को लागू कर गुपचुप तरीके से पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीन रही है।

राहुल ने आगे कहा, 2013 में पब्लिक सेक्टर में 14 लाख स्थाई पद थे, जो 2023 तक आते आते सिर्फ 8.4 लाख ही बचे। बीएसएनएल, सेल, बीएचईएल जैसे टॉप पीएसयू को बर्बाद कर लगभग छह लाख पक्की नौकरियां सिर्फ पब्लिक सेक्टर से ही खत्म कर दी गई। ये वही पद हैं जहां आरक्षण का लाभ मिलता। सरकारी कार्यों को ठेके पर देकर रेलवे जैसे संस्थानों में जो नौकरियां बैक डोर से खत्म की जा रही हैं उनकी तो कोई गिनती ही नहीं है।

कांग्रेस सांसद ने कहा, मोदी मॉडल का 'निजीकरण' देश के संसाधनों की लूट है, जिसके जरिए वंचितों का आरक्षण छीना जा रहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की गारंटी है कि हम पब्लिक सेक्टर्स को मजबूत करेंगे और 30 लाख रिक्त सरकारी पदों को भर कर हर वर्ग के लिए रोजगार का द्वार खोल देंगे।

चुनाव में यहां समय क्यों बर्बाद कर रहे राहुल, इटली जाएं : योगी

मुंबई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि जब भी देश कठिन समय का सामना करता है, तो वह इटली भाग जाते हैं। सीएम योगी ने यह भी सुझाव दिया कि राहुल गांधी को यहां चुनाव प्रचार नहीं करना चाहिए क्योंकि वह महामारी, भूकंप और बाढ़ के दौरान इटली गए थे। महाराष्ट्र के सांगली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, आपने राहुल गांधी को देखा है, जब भी देश पर कठिन समय आता है तो वह सबसे पहले देश छोड़कर भाग जाते हैं। जब कोविड आया तो वह इटली चले गए। भूकंप, बाढ़ या कोई अन्य आपदा, वह इटली के लिए रवाना हो गए। योगी ने तंज कसते हुए कहा कि जब आपको (राहुल गांधी) इटली जाना है तो यहां चुनाव में समय क्यों बर्बाद करें, इटली जाएं। जब वह भारत से बाहर होते हैं तो इसकी आलोचना करते हैं और जब भारत में होते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं मानो यह देश उन्हें उनके पूर्वजों से विरासत में मिला हो। उन्होंने भारत के उत्थान का जिक्र करते हुए कहा कि ...अगर कोई थप्पड़ मारने की हिम्मत करता है , आज हम अपनी पूरी ताकत से जवाबी हमला करने का साहस कर रहे हैं...।

खेल
प्रमुख समाचार

पाक का आयरलैंड-इंग्लैंड टी20 सीरीज के लिए टीम का एलान

कराची। पाकिस्तान ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम का एलान नहीं किया है, लेकिन गुरुवार को पीसीबी के चयनकर्ता ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। आईसीसी ने सभी टीमों को अपने संभावित-15 बताने के लिए एक मई की तारीख दी थी। हालांकि, समय बीत जाने के बावजूद पाकिस्तान टीम सामने नहीं आई। ऐसा कहा जा रहा है कि पाकिस्तान ने आईसीसी को टीम भेज दी है, लेकिन उसे सार्वजनिक करने का फैसला नहीं लिया है। इसके उलट पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। ऐसा माना जा रहा है कि यही टीम टी20 विश्व कप में भी खेलती दिखाई पड़ेगी। 25 मई के बाद कोई भी टीम आईसीसी की इजाजत के बिना अपने 15 में बदलाव नहीं कर सकेगी। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने लेग स्पिनर उसामा मीर को टीम से बाहर कर दिया। वहीं, हारिस रऊफ की टी20 टीम में वापसी हुई है। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं की टीम में मोहम्मद यूसुफ, अब्दुल रज्जाक, वहाब रियाज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की विश्व कप टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बाद तय की जाएगी। पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत 10 मई से होने जा रही है। वहीं, पाकिस्तान की टीम 22 मई से इंग्लैंड के खिलाफ उनके घर में चार मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। मुख्य चयनकर्ता वहाब ने कहा, मोहम्मद रिजवान, हारिस रऊफ, आजम खान और इरफान खान नियाजी की फिटनेस को लेकर मसले उठे हैं, लेकिन उनकी फिटनेस में काफी सुधार हुआ है और हमें पूरा भरोसा है कि वे आगामी मैचों में खेलेंगे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 128 अंक बढ़ा निफ्टी 22,600 के पार

नईदिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने के एक दिन बाद बेंचमार्क सूचकांकों ने गुरुवार को पॉजिटिव नोट पर सीमित दायरे में कारोबार किया। अप्रैल में जीएसटी संग्रह के रिकॉर्ड स्तर, विनिर्माण के आंकड़े सकारात्मक रहने और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप 0.9 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 128.33 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 74,611.11 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 74,360.69 और 74,812.43 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ एनएसई के निफ्टी में भी 43.35 अंक यानी 0.19 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,648.20 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 22,567.85 और 22,710.50 के रेंज में कारोबार हुआ।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की थोक बिक्री 70,471 यूनिट पर पहुंची

नईदिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा की अप्रैल महीने में कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 70,471 इकाई हो गई। कंपनी की अप्रैल 2023 में कुल थोक बिक्री 62,294 इकाई रही थी। बयान के अनुसार, मोटर वाहन प्रमुख की घरेलू बाजार में यात्री वाहन बिक्री पिछले महीने 18 प्रतिशत बढ़कर 41,008 इकाई हो गई, जो अप्रैल 2023 में 34,698 इकाई थी। पिछले महीने कुल निर्यात दो प्रतिशत बढ़कर 1,857 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 1,813 इकाई था। कंपनी ने कहा कि अप्रैल 2024 में उसकी ट्रैक्टर बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 37,039 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 36,405 इकाई थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के कृषि उपकरण क्षेत्र के अध्यक्ष हेमंत सिक्का ने कहा, ''मंडी में अच्छी आवक के साथ सरकारी गेहूं खरीद जोरों पर है, जिससे ग्रामीण नकदी प्रवाह स्वस्थ बना हुआ है।''

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गति अप्रैल में धीमी

नईदिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधि अप्रैल में धीमी रही, लेकिन फिर भी परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया जिसे बढ़ती मांग का समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया जो मार्च में 59.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है।

कॉग्निजेंट का मार्च तिमाही में मुनाफा 6 फीसदी घटा

नईदिल्ली। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक में लिस्टेड आईटी कंपनी कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस ने अपने पूरे वर्ष 2024 के रेवेन्यू को 18.9-19.7 अरब डॉलर की सीमा में बनाए रखा है। दूसरी तिमाही का रेवेन्यू 4.75-4.82 अरब डॉलर के बीच रहने की उम्मीद है, जो स्थिर मुद्रा में 2.5 फीसदी से 1 फीसदी की गिरावट है। न्यू जर्सी स्थित दिग्गज टेक कंपनी का नेट प्रॉफिट मार्च तिमाही में 6 फीसदी की गिरावट के साथ 54.6 करोड़ डॉलर रह गया। एक साल पहले यह 58 करोड़ डॉलर था। मैक्रो-इकोनॉमिक चुनौतियों और ग्राहकों द्वारा विवेकाधीन खर्च को सीमित करने के बावजूद, रेवेन्यू स्थिर मुद्रा में एक साल पहले की अवधि की तुलना में 1.2 फीसदी घटकर 4.76 अरब डॉलर हो गया, जो 4.68- 4.76 अरब डॉलर की अपनी स्वयं की रेवेन्यू गाइडेंस सीमा के उच्च अंत पर था। कंपनी कैलेंडर वर्ष का पालन करती है।

कम हो आय और संपत्ति की विषमता

अजीत रानाडे

भारत की समस्या यह है कि यहां कराधान पर्याप्त नहीं है। यह कई बार कहा जा चुका है। सरकार द्वारा प्रकाशित आर्थिक समीक्षा में ऐसा कहा गया है और संसद में एक पूर्व विदेश मंत्री इसे रेखांकित कर चुके हैं। यहां कम कराधान का तात्पर्य कर और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के निम्न अनुपात से है, करों की दर से नहीं। ये दरें बहुत अधिक हैं। उच्च व्यक्तिगत आयकर 42 प्रतिशत है, तो मध्यम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 18 प्रतिशत है।

जीएसटी एक अप्रत्यक्ष कर है, जिसे सभी लोग, धनी या गरीब, अपने उपभोग पर देते हैं। चूंकि यह कर देने वाले की आय पर निर्भर नहीं है, इसलिए यह अनिवार्यत: प्रतिगामी है। अचरज की बात नहीं कि जीएसटी संग्रहण का बड़ा हिस्सा कम आय वाले लोगों से आता है, जो इसके अनुचित होने को रेखांकित करता है। हमें आयकर और उपभोग कर दोनों की आवश्यकता है, पर जीएसटी दरें बहुत कम होनी चाहिए। आयकर पर निर्भरता बढ़नी चाहिए और दरें आय श्रेणी के हिसाब से बढ़नी चाहिए। सात लाख रुपये से कम की वार्षिक आय पर कर नहीं देना होता है। यह बड़ी छूट दुर्भाग्यपूर्ण है। यह छूट सीमा देश में प्रति व्यक्ति आय से चार गुना अधिक है।

अमेरिकी लोग पांच हजार डॉलर की आय से ही आयकर देने लगते हैं, जो उनके प्रति व्यक्ति आय का दसवां हिस्सा है। भारत को आयकर का दायरा अवश्य बढ़ाना चाहिए। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, हर सौ मतदाता में केवल सात लोग आयकर दाता हैं। हमारे सामने बढ़ती आर्थिक विषमता की चुनौती भी है। वर्ल्ड इनइक्वालिटी लैब की हालिया रिपोर्ट ने सौ साल के आंकड़ों के

अध्ययन के आधार पर बताया है कि देश में आय और संपत्ति की विषमता अभी सर्वाधिक है। विषमता से लड़ना गरीबी से लड़ने जैसा नहीं है। भारत में गरीबी का अनुपात गिरता जा रहा है, पर अभी भी ऐसे लोग हैं, जो गरीबी रेखा के आसपास ही हैं। एक बीमारी पूरे परिवार को उस रेखा से नीचे धकेल सकती है। इसीलिए गरीबी दर 15 प्रतिशत होने के बावजूद 80 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त राशन जैसी खाद्य सुरक्षा योजनाएं चल रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में विषमता घटाना भी शामिल है। इस दिशा में आयकर दायरा बढ़ाकर और जीएसटी जैसे अप्रत्यक्ष करों के बोझ को घटाकर आगे बढ़ना चाहिए। अवसरों की विषमता को प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में अधिक उच्च गुणवत्ता एवं मात्रा मुहैया कराकर कम किया जा सकता है। लेकिन सरकारी बजटों में इन सामाजिक प्राथमिकताओं पर खर्च आनुपातिक रूप से घटता जा रहा है।

इसका मतलब है कि हमें अधिक कर संग्रहण चाहिए। संपत्ति का निर्धारण मुश्किल है, खासकर अगर वह रियल इस्टेट के रूप में हो। लोगों में छुपाने की प्रवृत्ति भी होती है। कर देने से बचने की कोशिश भी होती है। धनी लोगों और सबसे अधिक आयकर देने वालों में भी साम्य नहीं है। कितने अरबपति ऐसे हैं, जो सबसे अधिक आयकर भी देते हों? ऐसे में संपत्ति कर लगाने का कोई उचित तरीका है क्या? स्पेन, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड और फ्रांस जैसे देशों में संपत्ति कर व्यवस्था है। ये सब धनी देश हैं और उनकी वित्तीय व्यवस्था भी बहुत विकसित है। आप यह नहीं कह सकते कि भारत एक गरीब या मध्यम आय देश है, इसलिए संपत्ति कर पर चर्चा अभी नहीं हो सकती। जिन देशों में सबसे अधिक अरबपति हैं, उनमें भारत भी है।

अगर उन पर 0.1 प्रतिशत सालाना कर लगा दिया जाए, इससे न वे अपनी संपत्ति से अलग होंगे, न रोजगार सृजन बंद करेंगे और न ही देश में निवेश बंद करेंगे। देश से पूंजी पलायन का कारण संपत्ति कर नहीं होता। किसी भी लोकतंत्र के लिए असीमित संपत्ति का केंद्रण होना अच्छा नहीं है। हमारे गणराज्य के राजनीतिक एवं सामाजिक समता के सिद्धांत तथा बढ़ती आर्थिक विषमता में बड़ा विरोधाभास है। इसीलिए हमें आय और संपत्ति की विषमता को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। कोई आधुनिक पूंजीवादी अर्थव्यवस्था विषमता से पीछा नहीं छुड़ा सकती है।

भाजपा का बुद्धिजीवी सम्मेलनः भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा-

इंफ्रा, कृषि, परिवहन, सैन्य शक्ति में विकास कर भारत बनेगा विकसित भारत

रायपुर। बुद्धिजीवी सम्मलेन विजन ऑफ विकसित भारत, 2047 का भारत का आयोजन गुरुवार को राजधानी के महाराजा अग्रसेन कालेज ऑडिटोरियम में किया गया. कार्यक्रम में प्रदेश भर से व्यापारी, सीए, डॉक्टर, वकील, अर्थशास्त्री, कलाकार, प्रोफेसर, शिक्षक, पूर्व अधिकारी, सेना के जवान, सामाजिक संस्थानों के प्रमुख लोग मौजूद रहें. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने की.

मुख्य अतिथि विनोद तावड़े ने सम्मेलन में यूपीए सरकार एवं मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यों की तुलना करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में विकास नए आयाम गढ़े हैं. यूपीए सरकार में 10 वर्षों में कुल कर संग्रह लगभग 68 लाख करोड़, मोदी सरकार के 10 वर्षों में लगभग 215 लाख करोड़ रहा. मोदी सरकार में 215 प्रतिशत वृद्धि की. यूपीए सरकार के 10 वर्षों में औसत मंहगाई दर 8 प्रतिशत, मोदी सरकार के कोविड की चुनौती के बावजूद 5 प्रतिशत रही. यूपीए सरकार में धान की एमएसपी 1310 रुपए प्रति क्विंटल, जो मोदी सरकार में बढ़कर 2183 प्रति क्विंटल हो गई. कांग्रेस सरकार में एमएसपी पर दालों की खरीद 1.52 एमएलटी, मोदी सरकार में 82.21 एमएलटी यानि 54 गुना वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के अंतिम बजट का आकार 16 लाख करोड़, मोदी सरकार के अंतिम बजट का आकार 48 लाख करोड़, यानि बजट में तीन गुना की वृद्धि हुई. यूपीए सरकार ने 10 वर्षों में राज्यों को दिए 33 लाख करोड़, मोदी सरकार ने दिए 129 लाख करोड़, मोदी सरकार में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि यूपीए सरकार में किसानों को धान खरीदी पर कुल भुगतान 4.4 लाख करोड़, मोदी सरकार में 12.18 लाख करोड़ रुपए भुगतान किया. कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों में औसत जीडीपी 6.81 प्रतिशत, मोदी सरकार में 7.13 प्रतिशत कोविड के वर्ष को छोड़कर रही. मोदी सरकार में विश्वविद्यालयो की संख्या 723 से 1113, आईआईटी की संख्या 16 से 23 आईआईएम की संख्या 13 से 20 हुई. यूपीए सरकार में 10 वर्षों के कुल पूंजीगत व्यय 12 लाख करोड़, मोदी सरकार के 10 वर्षों में 44 लाख करोड़ लगभग तीन गुना वृद्धि की. यूपीए सरकार के 10 वर्षों में निर्यात 99 लाख करोड़ रुपए था, मोदी सरकार के 10 वर्षों में निर्यात 235 लाख करोड़ रुपए हुआ.

यूपीए सरकार में एमएसपी पर गेहूं खरीद पर किसानों को कुल भुगतान 2.2 लाख करोड़, मोदी सरकार में 5.4 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया गया. यूपीए के 55 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग 91,287 किमी बनी, मोदी सरकार के 10 वर्षों में 146,145 किमी 10 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 54,858 किमी की वृद्धि हुई. कांग्रेस सरकार की तुलना में मोदी सरकार में सड़क निर्माण की गति 12 किलोमीटर प्रतिदिन से बढ़कर 42.03 किमी हुई. भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तावड़े ने कहा कि कांग्रेस सरकार में विदेशी निवेश 304 बिलियन डॉलर से थी, जो मोदी सरकार में बढ़कर 629 डॉलर रिकार्ड स्तर पर पहुंचा. कांग्रेस सरकार की तुलना में हवाई अड्डे मोदी सरकार में 74 से 148 हुए. कांग्रेस सरकार में रक्षा निर्यात, जो शून्य के स्तर पर था मोदी सरकार में वर्ष 2022-23 में रक्षा निर्यात ने 16 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को छुआ. मोदी सरकार में रेलवे लाइन निर्माण 1900 किमी से 9000 किलोमीटर एवं रेलवे लाइन विद्युतीकरण की 3 हजार किमी से 28 हजार किलोमीटर हुआ. कांग्रेस सरकार में 7 लाख रुपए की आय पर लगने वाला लगभग 70 हजार का टैक्स मोदी सरकार में शून्य हुआ.

विकसित भारत बनाने छत्तीसगढ़ राज्य का होगा भरपूर योगदानः अरुण साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि देश और प्रदेश की विकास यात्रा में हमेशा आप सभी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है.आप सभी ने पिछले कई वर्षो में अपने परिश्रम और कार्यों से देश और प्रदेश की जीडीपी बढ़ाने में भी विशेष योगदान दिया है हम सभी इसके लिए आप सभी के प्रति सम्मान का भाव रखते है आपको साधुवाद देते है. किसी भी देश और राज्य की तरक्की तब तक नही हो सकती जब तक उसे स्थायी सरकार न मिले.सौभाग्य और आप सब के सहयोग से देश में पिछले 10 वर्षो से पूर्ण बहुमत की स्थायी सरकार रही है. इस पूर्ण बहुमत की ताकत से ही सरकार जनहित में कड़े फैसले ले पाई है. मोदी जी के 10 वर्षो के कार्यकाल में जो परफॉर्मेंस हुआ है वो एतिहासिक है. सरकार ने हर क्षेत्र में कार्य करके दिखाएं जिसे हमने आप सब ने एक बड़ा बदलाव महसूस किया है और वह बड़ा बदलाव कहीं ना कहीं आपके हमारे जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाला भी रहा है. देश में अब हर जगह बड़े-बड़े एक्सप्रेसवे बन चुके परिवहन की सुविधा सुगम हुई है निश्चित तौर पर इससे व्यापार करने के दायरे में एक बड़ी ग्रोथ हुई है. आने वाले समय में जब हम अपने देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं कई क्षेत्रों में कार्य होने हैं हमें न सिर्फ विकसित भारत की यात्रा का सहभागी बना है बल्कि इसमें छुपे अवसरों को भी ढूंढना है. उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि हमारा देश विकसित भारत तब बनेगा, जब हमारा प्रदेश छत्तीसगढ़ विकसित छत्तीसगढ़ बनेगा, जब हमारा शहर रायपुर विकसित रायपुर बनेगा, जब हमारा मोहल्ला विकसित मोहल्ला बनेगा. विकसित भारत की यह यात्रा देश के कोने-कोने तक पहुंचेगी और आपके मोहल्ले तक भी पहुंचेगी. आपको इसका सहभागी जरूर बनना है. पिछले 10 सालों में आधारभूत संरचना ,स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि ,शिक्षा ,रक्षा का क्षेत्र हो या टेक्नोलॉजी का भारत में रिकॉर्ड स्तरपर काम हुआ है सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक रूप से बदलाव देखने को मिले है.

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रियंका वाड्रा से किया सवाल, कहा-

क्या राधिका मामले में कार्रवाई करने का साहस दिखाएंगी

रायपुर। महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा से सवाल किए हैं. उन्होंने सवाल पूछा है कि क्या प्रियंका वाड्रा राधिका खेड़ा मामले में कार्रवाई का साहस दिखाएंगी. बता दें कि प्रियंका वाड्रा आज छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार के लिए आई हैं. भाजपा नेत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रियंका वाड्रा महिलाओं के सम्मान, महालक्ष्मी योजना, संविधान, आरक्षण पर झूठ परोसकर चली जाएंगीं. क्या वह इन सवालों का जवाब देंगी कि प्रायः ही यह क्यों होता है कि कांग्रेस की महिला नेत्रियों, चाहे वह प्रदेश की हो या वह राष्ट्रीय स्तर की हो के साथ ही दुर्व्यवहार होता है और वह कांग्रेस छोड़ने के लिए विवश हो जाती हैं?

आज तीसरा दिन है, जब कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा के साथ प्रदेश के कांग्रेस भवन में हुई बदसलूकी का मामला गरमाया हुआ है. क्या प्रियंका वाड्रा इस पूरे मामले का संज्ञान लेने और राधिका खेड़ा के साथ हुई बदसलूकी पर कारगर कार्रवाई करने का साहस दिखाएंगीं?

खामोशी क्यों ओढ़ रखी ?- जिस अधिवेशन में प्रियंका वाड्रा फूलों की कालीन पर चली थीं, उसी अधिवेशन में उनके ही निज सचिव पर आपकी ही पार्टी की दलित महिला नेत्री अर्चना गौतम के साथ दुर्व्यवहार हुआ था? प्रियंका वाड्रा ने उस मामले में खामोशी क्यों ओढ़ रखी है? 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के जिस जुमले के साथ उत्तरप्रदेश में प्रियंका वाड्रा ने कुछ नया करने का स्वांग रचा था, अर्चना गौतम उसी जुमले की ब्रांड हुआ करती थीं.

जब तक छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश सरकार रही, छत्तीसगढ़ में मासूम बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं के साथ दुष्कर्म, सामूहिक दुष्कर्म, अत्याचार की

घटनाओं के मद्देनजर छत्तीसगढ़ की महिलाओं की अस्मिता, सम्मान की सुरक्षा और उनके कल्याण की तनिक भी चिंता प्रियंका वाड्रा को क्यों नहीं हुई? छत्तीसगढ़ में आकर प्रियंका वाड्रा कभी यह क्यों नहीं कहतीं थीं कि 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं'. लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रियंका वाड्रा कभी छत्तीसगढ़ की सड़कों-गलियों पर तो निकली नहीं, अलबत्ते प्रदेश की पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने उनके कदमों तले टन-के-टन गुलाब फूल की पंखुड़ियां बिछाकर रास्ता बना दिया था. शायद इसीलिए महिलाओं की टीस, सिसकियां प्रियंका वाड्रा को कभी सुनाई नहीं पड़ीं, उनके साथ हो रही वहशियाना दरिंदगी और अत्याचार की खबर ही नहीं हुई.

प्रियंका वाड्रा इसे लेकर संजीदा हैं कि कांग्रेस के लोगों की बदसलूकी से क्षुब्ध क्या राधिका खेड़ा के कांग्रेस छोड़ने की अटकलें लग रही हैं. इससे पहले फिल्म अभिनेत्री रहीं कांग्रेस नेत्री नगमा, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं सुष्मिता देव, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रहीं प्रियंका चतुर्वेदी को क्या ऐसी ही बदसलूकी ने कांग्रेस छोड़ने पर विवश नहीं किया?

प्रियंका गांधी के बयान पर भाजपा का पलटवार, शिवरतन शर्मा बोले

अब ऐसी नौबत आ गई कि अपनी दादी के नाम पर वोट मांगने लगी है प्रियंका

रायपुर. कोरबा की एक आमसभा में प्रियंका गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा ने सवाल दागा है. उन्होंने पूछा है कि प्रियंका जी, कोरबा जिले के खदानों से निकलने वाले कोयला में हुए घोटाले पर भूपेश बघेल से कभी सुध ली, कैसे कोयला लेवी के नाम 500 करोड़ का घोटाला हो गया. इस घोटाले में शामिल भूपेश के करीबियों को जमानत क्यों नहीं मिल रही. करोड़ों रुपए की नकदी कैसे मिली, इस सब विषयों पर कोरबा सहित छत्तीसगढ़ की जनता जवाब मांग रही है.

शिवरतन ने कहा, प्रियंका जी, आप पूछ भी नहीं सकतीं क्योंकि भूपेश पे एटीएम का आपने खूब इस्तेमाल किया है. हवा में भाजपा नहीं आप बात कर रही हैं. कांग्रेस की घोषणाएं तो सत्ता पाने के बाद हवा हवाई ही साबित होती है, जिसका दंश छत्तीसगढ़ की जनता ने झेला है अब और नहीं झेलने वाली है. किस छत्तीसगढ़ की बात कर रही हैं, जिसका विरोध कांग्रेस ने राज्य बनते समय किया था और हमारे यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया. शिवरतन शर्मा ने कहा कि भूपेश बघेल ने कैसे छत्तीसगढ़िया के नाम पर करोड़ों रुपए का घोटाला किया। पूरे पांच सिर्फ जनता को लूटने का काम किया कोयला, चावल, डीएमएफ फंड, शराब घोटाला तो किया है साथ शराबबंदी करने और निराश्रित महिलाओं को 500 रुपए पेंशन देने से मुकर गई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 18 लाख गरीबों के आवास को भूपेश सरकार द्वारा रोके जाने पर आप क्यों नहीं कुछ बोलीं, जबकि भूपेश के ही मंत्री टीएस सिंहदेव ने तो गरीबों के आवास नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया था। प्रियंका जी, आपका मोह भूपेश के प्रति ऐसा बना हुआ कि उनके बर्बादी के वाले काम को विकास बता रहीं हैं। 15 साल भाजपा सरकार में जो विकास कार्य हुए थे, उसे भी भूपेश सरकार ने बर्बाद कर दिया था। इसलिए जनता ने भाजपा और मोदी जी ने नारा दिया हमने ही बनाया है, हम ही संवारेंगे पर विश्वास करते हुए जनता ने भाजपा को पूर्ण बहुमत दिया है।

शिवरतन शर्मा ने कहा कि आज अपनी दादी की झूठी गुणगान करके कोरबा की जनता को झांसा नहीं दे पाएंगीं। कोरबा की सांसद और उनके पति चरणदास महंत ने कांग्रेस की सरकार में एक भी विकास कार्य नहीं किए हैं, जिसे आप गिना पाएं इसलिए आप अपनी दादी के नाम पर वोट मांग रही हैं। शायद आपको भी मालूम हो गया है कि जनता द्वारा नाकारे जा चुके भूपेश के नाम पर कांग्रेस को एक वोट भी नसीब नहीं होगा। इसलिए अपनी दादी का नाम ले रही हैं। शर्मा ने कहा कि पहले भाजपा के संकल्प पत्र को आप भले ही न पढ़ीं हों, लेकिन जनता को मालूम है कि मोदी की गारंटी है ही भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएंगे। कहा कि संविधान और लोकतंत्र विरोधी बातें तो कांग्रेस के अन्याय पत्र में हैं। जनता जानती है कि अगर कांग्रेस की केंद्र में सरकार आई तो वह स्त्री धन, विरासत पर संपत्ति कर तो वसूलेगी। इसके साथ ही जनता को लूटकर देश का मान मर्दन करने का काम करेगी. शिवरतन शर्मा ने कहा, आपको जी-20 और पीएम मोदी जी विदेशी नीतियों से इतनी क्यों जलन हो रही है। देश का मान सम्मान बढ़ने पर कांग्रेस को पीड़ा होती है। क्योंकि पूववर्ती कांग्रेस की सरकारों ने देश को विदेशी ताकतों के सामने झुका दिया था, लेकिन आज मोदी जी ने देश का मान-सम्मान पूरे विश्व में बढ़ा दिया है। आज भारत कांगेस की यूपीए सरकार में 11वीं से पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। प्रियंका जी, मोदी जी की गारंटी है कि 2029 तक भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित राष्ट्र बन जाएगा.

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

मोदी सरकार के खिलाफ प्रदेश में वातावरण - दीपक बैज

रायपुर। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार के खिलाफ देश में वातावरण। अपनी वादाखिलाफी के कारण नरेन्द्र मोदी अपनी विश्वसनीयता खो चुके है। पिछले दस साल के मोदी सरकार के कार्यकाल में लगातार झूठ बोले गये। देश के सामने भाजपा और मोदी ने कई बड़ी गारंटी दी, लेकिन इन गारंटियो को आज तक पूरा नहीं किया गया। 10 साल के कार्यकाल में मोदी की हर गारंटी फेल हो गई। केन्द्र की मोदी सरकार ने झूठ बोलने और भ्रष्टाचार के सिवा कोई काम नहीं किया। महंगाई, बेरोजगारी से जनता परेशान है बदलाव के लिये मतदान होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी ने गारंटी दिया था 100 दिन में महंगाई कम हो जायेगी, लेकिन 10 सालो में महंगाई 10 गुना बढ़ गयी, आम आदमी का बजट बिगड़ गया। मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में गारंटी देते हुये कहा था कि उनकी सरकार बनने पर काला धन वापस लाया जायेगा। कालाधान वापस लाने की गारंटी देने वाले मोदी आज दस साल यानी 3650 दिन बीतने के बाद भी कालाधन वापस नहीं ला सके। उलटे कई बड़े उद्योगपति बड़ी आसानी से अरबों रूपये लेकर देश से चले गये। भाजपा सरकार ने देश का अरबों रुपये लेकर जाने वाले के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया।

कांग्रेस की 5 न्याय 25 गारंटी पर जनता भरोसा कर रही

रायपुर। कांग्रेस के 5 न्याय 25 गारंटी पर लोकसभा चुनाव में जनता भरोसा कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश की जनता के लिये लोकसभा चुनाव में 5 न्याय और 25 गारंटी दिया है। जनता को कांग्रेस के वादों से आशा की नई किरण दिख रही है। कांग्रेस ने कुल 5 न्याय की गारंटी दिया है। नारी न्याय, युवा न्याय, किसान न्याय, मजदूर न्याय और भागीदारी न्याय पांचो न्याय घोषित होने के बाद से ही देश के हर वर्ग के मतदाताओं में कांग्रेस के प्रति नजरिया बदला है लोगों को कांग्रेस की सरकार में अपना भविष्य दिख रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को हर साल 1 लाख और महीने में 8333 रू. देने का वादा किया है। इसके साथ ही केंद्रीय भर्तियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा कांग्रेस ने किया है कांग्रेस की इस घोषणा के बाद महिलायें मतदाताओं का ध्रुवीकरण कांग्रेस की ओर हुआ है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने मनरेगा मजदूरों की मजदूरी 200 से बढ़ाकर 400 करने का वादा किया है इससे देश के मजदूरों के जीवन स्तर में बदलाव आयेगा.

रोटरी क्लब का डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग असेंबली संकल्प कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर द्वारा आयोजित डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग असेंबली संकल्प कार्यक्रम 27-28 अप्रैल को संपन्न हुआ। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के तीन राज्यों छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश व उड़ीसा से आये रोटरी सदस्यों मे ने कार्यक्रम में सहभागिता प्रदान की। पूरे देश से आये बहुमुखी प्रतिभाशाली प्रशिक्षण प्रदाताओं ने अपने ओजस्वी उद्बोधन से कार्यक्रम में उपस्थित 400 से अधिक रोटरी सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सभी प्रशिक्षणकर्ताओं ने आगामी सत्र के रोटरी पदाधिकारियों को रोटरी के उद्देश्यों और सेवा भाव से कार्य करने के लिये प्रोत्साहित किया व जानकारी प्रदान की। पूरे कार्यक्रम की विशिष्टता राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्री विश्वभूषण हरिचंदन की गरिमामय उपस्थिति एवं उनका प्रेरक ऊदबोधन रहा। कार्यक्रम में अन्य प्रशिक्षण विभूतियों पंडित विजय शंकर मेहता, राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तनखा ,प्रख्यात प्रेरक प्रवचनकर्ताओं की उपस्थिति से रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर गौरवान्वित हुआ.

आशियाना अपार्टमेंट के तीसरी मंजिल के फ्लैट में लगी आग

रायपुर। कबीर नगर इलाके के आशियाना अपार्टमेंट के तीसरी मंजिल के फ्लैट में आग लगने से घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। इस आगजनी से सोसायटी में अफरातफरी मची रही। मिली जानकारी के अनुसार सोसायटी के सी-4 ब्लाक के तीसरे माले के फ्लैट 312 में गुरूवार पूर्वान्ह आग लग गई। इस मंजिल के दूसरे फ्लैट्स में रहने वाले परिवारों में भगदड़ मच गई। सोसाइटी के गार्ड की सूचना पर कबीर नगर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तीन गाडियों से पहुंची। फ्लैट से निकल रहे धुंए से दमकल कर्मियों को तीसरे माले में पहुंचने में मुश्किल हुई। उनका पहली कोशिश आग को दूसरे अन्य फ्लैट तक पहुंचने से रोकना है। काफी मशक्कत के बाद दमकल कर्मी आग को काबू करने में सफल रहे। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

ओंकार छग एडवरटाइजिंग एजेंसी एसो. के अध्यक्ष व अफसर बने महासचिव

रायपुर। छत्तीसगढ़ एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन के अध्यक्ष नये ओंकार सिंह को होंगे

एवं महासचिव अफसर खान नियुक्त किए गए। एड एजेंसी के चुनाव अधिकारी दीपक जैन, संरक्षक शिवाजी मंथानी व अजय जैन थे। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए सभी सदस्यों ने एक मत से ओंकर सिंह (मीतनिशा एड.) को सर्वसहमति से अध्यक्ष एवं महासचिव अफसर खान को नियुक्त किया। एटवरटाइजिंग एजेंसीज एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के नव निर्वाचित अध्यक्ष ओंकार सिंह ने नई कार्यकारिणी गठित की। इस नई कार्यकारिणी में संरक्षक अजय जैन, दीपक जैन, शिवाजी मंथानी, महासचिव अफसर खान (एके एड.), उपाध्यक्ष रितेश अग्रवाल (राघव एड.) सांस्कृतिक सचिव- मनीष राज्यवर्धन (एम्बेसी कॉरपोरेट प्रमोशन), ऋषभ जैन (शांति विजय एड.) कोषाध्यक्ष हसन नकवी(उत्कल एड.), सहसचिव- विजय घोष (विजय एड.) जनसंपर्क अधिकारी विरेन्द्र शुक्ला (छत्तीसगढ़ डेल्टा) के अलावा अन्य सदस्य इंदिरा जैन, अतुल जैन, राजीव पाठक, राजेश, दुग्गड, एवं प्रणय चन्द्राकर , नितिन गिरिभट्ट, भीमसेन खन्ना, गिरीश अवधिया, अरिहंत दुग्गड़ शामिल हैं।

सीएस समेत उच्च अधिकारियों को आमंत्रण पत्र-पीला चावल देकर किया मतदान का आग्रह

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने गुरुवार से कलेक्टर की पाती अभियान की शुरुआत की. कलेक्टर ने फारेस्ट कॉलोनी में रहने वाले सेवानिवृत्त आईएफएस उपाध्याय के निवास पर पहुंचकर मतदान का आग्रह करते हुए आमंत्रण पत्र व पीला चावल दिया. अभियान के तहत कलेक्टर ने मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले के निवास पर पहुंचकर आमंत्रण पत्र देते हुए पीला चावल देकर मतदान करने का आग्रह किया. मुख्य सचिव व मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला प्रशासन के स कार्य की सराहाना की और कहा कि निश्चित ही इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा. इस पहल से मतदाताओं में जागरूकता बढ़ेगी और घरों से निकलकर लोग मतदान करने जरूर पहुंचेंगे. इसके साथ साथ ही मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद और एस. बसवराजू को भी आमंत्रण पत्र दिया. कलेक्टर ने उन्हें भी पीला चावल भेंटकर मतदान करने का आग्रह किया.

कलेक्टर ने लोकायुक्त टीपी शर्मा के निवास पर पहुंचकर ने पाती सौंपी और मतदान करने का आग्रह किया. इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, डीपीओ अमित सिन्हा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे. उल्लेखनीय है कि मतदान करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर मतदान का आग्रह करते हुए आमंत्रण भी देते हुए नज़र आईं.

राधिका खेड़ा मामले की होगी जांच, दोषी पर कार्रवाई करेगी कांग्रेस

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र भेजकर 24 घंटे के अंदर कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला विवाद की रिपोर्ट मांगी है। यहां यह उल्लेखनीय हैं कि पवन खेड़ा बुधवार को रायपुर आए थे और नई दिल्ली लौटने के बाद यह पत्र भेजा है। रायपुर राजीव भवन में कांग्रेस नेताओं की बदसलूकी से नाराज पार्टी की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने आज नया पोस्ट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर लिखा- 'दुशील' को लेकर 'कका' का मोह एक लड़की की इज्जत से बढ़कर है, लेकिन लड़की हूं, 'लड़ रही हूं' 'मर्यादा पुरुषोत्तम' प्रभु श्री राम जी के ननिहाल में दीदी का स्वागत है।

अब इस मामले को लेकर स्थानीय बीजेपी नेता सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि जो 'दुशील' है वही सुशील है, जो 'कका' है, वह भूपेश बघेल हैं'। क्योंकि प्रदेश में बघेल को लोग कका के नाम से भी जानते हैं। वहीं डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि, अब ये बताता है कि कांग्रेस पार्टी में नारी सम्मान की क्या स्थिति है। दरअसल, ये मामला मंगलवार को सामने आया था। राधिका ने - पर एक पोस्ट किया था।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.